रीवा

28 जून 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

मांजरेकर और पनेसर...

@ पेज 7

‘जय जगन्नाथ’ के जयकारों के साथ शुरू हुई पुरी की रथ यात्रा, 350 श्रद्धालु घायल

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में 27 जून 2025 को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का भव्य आयोजन शुरू हुआ। ‘जय जगन्नाथ’ और ‘हरि बोल’ के उद्घोष के बीच हजारों भक्तों ने भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र के रथों को श्री गुंडिचा मंदिर की ओर खींचा। इस दौरान भीड़ के कारण लगभग 350 श्रद्धालु घायल हो गए। ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग ने बताया कि गर्मी और उमस के कारण कुछ भक्त बेहोश हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पुरी के 12वीं सदी के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर से शुरू होने वाली यह यात्रा 2.6 किलोमीटर दूर श्री गुंडिचा मंदिर तक जाती है।

शुक्रवार सुबह ‘पहांडी’ रस्म के बाद, जिसमें भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र की लकड़ी की मूर्तियों को मंदिर से रथों तक ले जाया गया, रथ खींचने की प्रक्रिया शुरू हुई। ‘पहांडी’ शब्द संस्कृत के ‘पदमुंडनम’ से आया है, जिसका मतलब है धीरे-धीरे पैर फैलाकर चलना। शुक्रवार सुबह ‘पहांडी’ रस्म के बाद, जिसमें भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र की लकड़ी की मूर्तियों को मंदिर से रथों तक ले जाया गया, रथ खींचने की प्रक्रिया शुरू हुई। ‘पहांडी’ शब्द संस्कृत के ‘पदमुंडनम’ से आया है, जिसका मतलब है धीरे-धीरे पैर फैलाकर चलना। शाम 4~08 बजे सबसे पहले भगवान बलभद्र का ‘तालध्वज’ रथ चला, फिर देवी सुभद्रा का ‘दर्पदलन’ रथ और अंत में भगवान जगन्नाथ का ‘नंदीघोष’ रथ रवाना हुआ। इस दौरान शंख, घंटे, झांझ और तुरही की ध्वनियां

गूंज रही थीं। पुरी के राजा गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब ने तीनों रथों पर ‘छेरापहंरा’ (रथों की सफाई) की रस्म पूरी की, जिसके बाद भक्तों ने रथ खींचना शुरू किया। प्रत्येक रथ पर अलग-अलग रंगों के लकड़ी के घोड़े लगाए गए थे। रथ यात्रा में ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, गजेंद्र सिंह शेखावत, पुरी के सांसद संबित पात्रा और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने रथ खींचने में हिस्सा लिया। गोवर्धन पीठ के 81 वर्षीय शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती व्हीलचेयर पर रथों के दर्शन करने आए। उनके दर्शन इस उत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। अधिकारियों का अनुमान है कि इस साल रथ यात्रा में करीब 10 लाख भक्त शामिल हुए। ज्यादा भीड़ के कारण लगभग 350 लोग घायल हो गए। ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग ने बताया कि उमस और गर्मी के कारण कुछ भक्त बेहोश हो गए। बचाव दलों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुँचाया। मंदिर क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए हैं, और ग्लूकोज व पानी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। मंत्री ने कहा कि घायलों को उचित इलाज दिया जा रहा है। बता दें कि रथ यात्रा के लिए पुरी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। ओडिशा पुलिस के महानिदेशक वाईबी खुरानिया ने बताया कि‚ढ्ढ से लैस 275 से ज्यादा ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों से भीड़ पर नजर रखी जा रही थी। अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले की खुफिया सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा और सख्त की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने दिया ट्रंप के पक्ष में बड़ा फैसला

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक अहम निर्णय देते हुए कहा कि किसी एक न्यायाधीश के पास पूरे देश के लिए आदेश देने का अधिकार नहीं है। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक बड़ी कानूनी और राजनीतिक जीत मानी जा रही है, जो लंबे समय से अपने एजेंडे को एकल न्यायिक आदेशों द्वारा बाधित किए जाने की शिकायत करते रहे हैं। अदालत ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ट्रंप द्वारा

÷जन्मसिद्ध नागरिकता÷ पर लगाई गई रोक पर उसके फैसले का क्या प्रभाव होगा। सुप्रीम कोर्ट के रूढ़िवादी बहुमत ने इस ओर इशारा किया कि ट्रंप का आदेश अब भी देशव्यापी प्रभाव में रोका जा सकता है, लेकिन उस पर अंतिम निर्णय अभी लंबित है। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसके तहत ऐसे बच्चों को अमेरिकी नागरिकता देने से इनकार किया गया था, जिनके माता-पिता अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे हैं। ट्रंप प्रशासन का तर्क था कि केवल वहीं बच्चे नागरिकता के पात्र हैं, जो अमेरिका के वैध नागरिकों या कानूनी स्थायी निवासियों के यहां जन्में हों। अमेरिकी गृह युद्ध के बाद 1868 में लागू संविधान का 14वां संशोधन कहता है कि ÷अमेरिका में जन्मा और इसके अधिकार क्षेत्र के अधीन कोई भी व्यक्ति अमेरिकी नागरिक है।÷ यही प्रावधान जन्मसिद्ध नागरिकता का आधार है। वर्तमान में अमेरिका उन 30 देशों में शामिल है, जहां जन्म के आधार पर नागरिकता दी जाती है।

वर्ल्ड अप्रूवल रेटिंग में पीएम मोदी दुनिया में नंबर 1

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में लगातार 11 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कद वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ता जा रहा है। यह देखकर पूरी दुनिया हैरान रह गई है। एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी के सर्वे में वर्ल्ड अप्रूवल रेटिंग में पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन व इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू जैसे नेताओं को

भारी अंतर से पीछे छोड़ते हुए पहले पायदान पर बने हुए हैं। इतना ही नहीं सर्वे के मुताबिक पूरे विश्व को अमेरिका और चीन से ज्यादा भारत के नेतृत्व पर भरोसा है। पीएम मोदी की इस लोकप्रियता को देखकर पूरा विश्व चकित है। अमेरिकन एजेंसी के सर्वे में पीएम मोदी ने सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पीछे नहीं छोड़ा है, बल्कि कई अन्य वर्ल्ड लीडर्स भी उनसे बहुत पीछे छूट चुके हैं। ऑपरेशन सिंदूर पर विरामल लगने के 48 दिन बाद जो पहली इंटरनेशनल अप्रूवल रेटिंग आई है..उसमें नरेंद्र मोदी 78 परसेंट की रेटिंग के साथ दुनिया के टॉप वर्ल्ड लीडर बने हुए हैं। वहीं हिंदुस्तान से मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ सिर्फ 32 परसेंट की अप्रूवल रेटिंग पर अटके हैं। इज़राएल-ईरान युद्ध में सीज़फायर की क्रेडिट लेने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश में सिर्फ 41 परसेंट की अप्रूवल रेटिंग पर अटके हुए हैं। इस वक्त सिर्फ नरेंद्र मोदी आगे चल रहे हैं।

‘अगर बुद्धि का दुरुपयोग हो, तो वही उसे बदतर बनाती है’

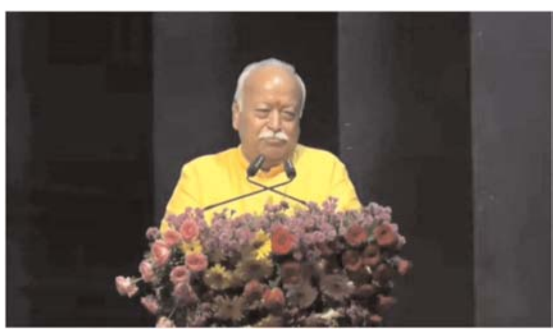

बरेली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत आज पुणे में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि संघ का काम पूरे हिंदू समाज को स्नेह और अपनेपन की भावना से जोड़ना है। बता दें कि मोहन भागवत प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य पीवआई खादीवाले, जिन्हें वैद्य खादीवाले के नाम से भी जाना जाता है, उनके जीवन पर आधारित एक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। भागवत ने कहा, ÷जानवरों के विपरीत, मनुष्य में बुद्धि होती है। बुद्धि के बुद्धिमानीपूर्ण उपयोग से वह बेहतर बन सकता है, लेकिन अगर बुद्धि का दुरुपयोग किया जाए, तो वही बुद्धि उसे बदतर बना सकती है।÷ मोहन भागवत ने कहा कि जो चीज उसे बुरा बनने से रोकती है, वह है स्नेह और अपनेपन की भावना। वैद्य खादीवाले का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि स्वार्थ से प्रेरित होकर व्यक्ति बुराई की ओर झुक सकता है, लेकिन करुणा और अपनेपन से प्रेरित होकर वह दिव्य रूप प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा, ÷संघ समाज को इन मूल्यों की याद दिलाने का काम करता है, जिन्हें आज भुलाया जा रहा है। अगर कोई आपके प्रति अपनेपन की भावना दिखाता है, तो आपको भी उसके प्रति वैसा ही स्नेह और करुणा की भावना दिखानी चाहिए।÷

यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया ये कदम

बीच रास्ते में रोकनी पड़ी वंदे भारत, दूसरी ट्रेनों से आगे भेजे गए यात्री

दावणगेरे (एजेंसी)। धारवाड़ से बेंगलुरु जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 20662) को आज बीच रास्ते में ही रोकना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रेन के यात्रियों को इसके बाद उनके गंतव्य की तरफ दूसरे ट्रेनों से भेजा गया। शुक्रवार की दोपहर करीब 3~30 बजे यह ट्रेन दावणगेरे स्टेशन पर रोकी गई थी। बताया जा रहा है कि अमरावती कॉलोनी के पास एक LC गेटकीपर ने अचानक ट्रेन के C4 कोच में हॉट एक्सल (गरम धुरा) की समस्या देखी, जिसके बाद तुरंत यह कदम उठाया गया। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन को दावणगेरे में रोका गया और पूरी जांच की गई।

रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए तुरंत वैकल्पिक इंतजाम किए और उन्हें दूसरी ट्रेनों के जरिए उनके गंतव्य पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन में सवार 502 यात्रियों को जन शताब्दी एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12080) और जोधपुर एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 16507) से बेंगलुरु भेजा गया। यात्रियों को किसी तरह की तकलीफ न हो इसका ध्यान

रखते हुए उन्हें अरसीकेरे स्टेशन पर खाना और नाश्ता भी उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा, बेंगलुरु के च्यस्क्र बेंगलुरु और यशवंतपुर स्टेशनों पर हेल्प डेस्क बनाए गए ताकि यात्रियों को अगर कोई समस्या हो तो वे अपनी बात कह सकें।

रेलवे ने यह भी सुनिश्चित किया कि वैकल्पिक ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को किराए का अंतर वापस किया जाए। बेंगलुरु पहुंचने पर यह रिफंड प्रक्रिया शुरू की जाएगी। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों को हर संभव सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया। साउथ वेस्टर्न रेलवे ने इस असुविधा के लिए खेद जताया और यात्रियों के सहयोग की सराहना की। रेलवे ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हालांकि राहत की बात यह रही कि हॉट एक्सेल की समस्य समय रहते पता चल गई और कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई।

अब रतलाम में भी उतरेंगे जेट, सीएम ने दी करोड़ों की सौगात

रतलाम (एजेंसी)। राज्य सरकार प्रदेश और देश के अलग-अलग शहरों में निवेशकों के लिए रोड शो और अन्य कार्यक्रम आयोजित कर रही है। सरकार व्यापार-व्यवसाय के लिए अपनी नीतियों के बल पर ठोस काम कर रही है। रतलाम अपने सेव, नमकीन, सोना और साड़ियों के लिए तो प्रसिद्ध था ही, अब

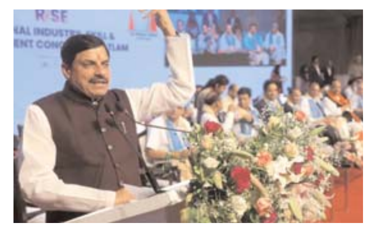

यह स्किल, स्केल और स्टार्टअप के लिए भी पहचान बनाएगा। प्राचीन समय में रतलाम का गौरवशाली इतिहास रहा है। यहां के महालक्ष्मी मंदिर में दिवाली पर हर व्यापारी लाखों की संपत्ति रखते हैं। आज यहां भी निवेश की बारिश हो गई। रतलाम की कनेक्टिविटी अन्य राज्यों के साथ बेहतर है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस के माध्यम से यहां से 6 घंटे में दिल्ली और 6 घंटे में मुंबई पहुंच सकते हैं।% यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 27 जून को कही। वे रतलाम में आयोजित एमपी रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्पलॉयमेंट कॉन्क्लेव-2025 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस आयोजन में उद्योग, एमएसएमई और अन्य सेक्टरों में करीब 30402 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। इसमें 35 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तैयार थे नौसेना के जहाज और पनडुब्बियां

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा है कि भारत का आतंकवादी हमलों को युद्ध की तरह मानने का नया दृष्टिकोण हमारी रणनीति को और मजबूत कर रहा है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना की ताकत और तत्परता की तारीफ की, जिसने पश्चिमी पड़ोसी देश यानी कि पाकिस्तान को शांति के लिए मजबूर किया। यह बात उन्होंने 27 जून 2025 को नई दिल्ली के नौसेना भवन में आयोजित नौसेना सम्मान समारोह में कही। इस मौके पर एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि आज का वैश्विक सुरक्षा माहौल जटिल और तेजी से बदल रहा है।

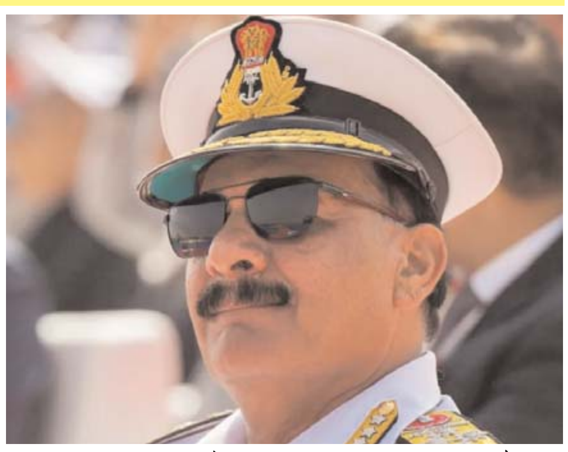

एडमिरल त्रिपाठी ने बताया कि अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने आतंकवाद को युद्ध की तरह लेने का फैसला किया। इस नीति ने नौसेना के ऑपरेशनल नजरिए को नया आयाम दिया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय नौसेना के जहाज, पनडुब्बियां और विमान पूरी तरह तैयार थे। इनकी तैनाती ने समुद्री क्षेत्र में हमारी ताकत और इरादे को दिखाया। नौसेना प्रमुख ने कहा, %हमारी तेज और संतुलित कार्रवाई ने न केवल हमारी रणनीतिक ताकत और समुद्री दबदबे को दिखाया, बल्कि हमारे पश्चिमी पड़ोसी को शांति के लिए मजबूर किया।% नौसेना प्रमुख ने कहा कि दुनिया भर में चल रहे संघर्षों ने नौसेना के काम की जिम्मेदारी, विविधता और जटिलता को बढ़ा दिया है।

एस जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री से की बात

12 दिनों तक चले युद्ध के बाद की स्थिति पर चर्चा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को अपने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची से बात की। इस दौरान उन्होंने ईरान और इजरायल के बीच 12 दिनों तक चले युद्ध के बाद की स्थिति पर चर्चा की। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान से सैकड़ों भारतीयों को निकालने में तेहरान की सहायता के लिए अरागची को धन्यवाद भी दिया। बता दें कि इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच ईरान ने भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए एयरस्पेस को खोल दिया था, जिसके बाद सैकड़ों भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया गया था।

एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷आज दोपहर ईरान के विदेश मंत्री अरागची से बात की। मौजूदा जटिल स्थिति में ईरान के दृष्टिकोण और सोच को साझा करने के लिए उनकी सराहना करता हूं।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद करने के लिए उनका (अराघची को) धन्यवाद दिया।÷ बता दें कि इससे पहले

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से भी बात की थी। उन्होंने एक्स पर इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्रीय स्थिति के उनके (कतर) आकलन की सराहना की। उन्होंने बताया कि हमारे द्विपक्षीय एजेंडे पर चर्चा की गई। बता दें कि ईरान और इजरायल के बीच 12 दिनों तक युद्ध चला। इस बीच रविवार सुबह अमेरिका ने भी ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी कर दी। हालांकि इस बमबारी के बाद ईरान ने भी कतर और इराक में मौजूद अमेरिकी एयरबेसों पर हमला कर दिया। इसके बाद स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर की घोषणा कर दी। इसके बाद से अब दोनों देशों के बीच हमलों में कमी देखी गई है। वहीं विभिन्न देशों ने अपने एयरस्पेस भी यात्री विमानों के लिए खोल दिए हैं।

विंध्य क्षेत्र में हवाई सेवाओं का होगा विस्तार

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और एलायंस एयर के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक

रीवा (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से दिल्ली में एलायंस एयर के चेयरमैन अमित कुमार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजर्षी सेन ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर विंध्य क्षेत्र सहित मध्यप्रदेश में हवाई सेवाओं के विस्तार एवं संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा, सतना और विंध्य क्षेत्र के महत्वपूर्ण नगरों में एयर कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में हवाई सेवाएं आमजन के लिए सुलभ और सस्ती बनाई जा रही हैं, और मध्यप्रदेश सरकार इस दिशा में हरसंभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने एलायंस एयर को रीवा एवं विंध्य क्षेत्र की आर्थिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक विशेषताओं की जानकारी दी और कहा कि यहां एयर

कनेक्टिविटी बढ़ने से पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं निवेश के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति होगी। बैठक में रीवा से महानगरों के लिए सीधी उड़ानों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

10वीं फेल लड़के ने दिल्ली की लड़की बनकर प्राइवेट कर्मचारी को फंसाया, सेक्सटॉर्शन कर ठगे 50 लाख रुपये

नागपुर (एजेंसी)। बिहार के 10वीं फेल लड़के ने घर बैठे 50 लाख रुपये ठग लिए। खास बात यह है कि ठगी करने वाले लड़के की उम्र महज 20 साल है। वहीं, ठगी का शिकार हुआ व्यक्ति नागपुर में एक निजी कंपनी में काम करता है। पुलिस को जब इस ठगी के बारे में पता चला तो बारीकी से जांच की गई। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर

लिया गया। अब पुलिस का कहना है कि बिहार में इस तरह का एक गिरोह सक्रिय है। गिरोह के मुखिया को नागपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला नागपुर का है, जहां एक निजी कंपनी में काम करने वाले लड़के को इंस्टाग्राम में एक लड़की की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। लड़के ने रिक्वेस्ट एक्सेप्ट कर ली और दोनों के बीच बातचीत होने लगी। इस दौरान ठग ने खुद को दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा बताया। कई दिनों तक बातचीत करने के बाद दोनों एक दूसरे के साथ अश्लील फोटो भी शेयर करने लगे। इसके बाद बिहार के लड़के ने फोटो वायरल करने की धमकी देकर सेक्सटॉरशन के जरिये करीब 49 लाख 34 हजार रुपये ठग लिए।

सत्र 2025-26 में रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि शिक्षकों की होगी व्यवस्था

भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में रिक्त पदों के विरुद्ध ऑनलाइन माध्यम से अतिथि शिक्षक व्यवस्था के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने दिशा-निर्देश जारी किये हैं। यह कार्यवाही जीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से की जायेगी। निर्देशों में कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षक आमंत्रण के लिये प्रदर्शित रिक्तियाँ एजुकेशन पोर्टल-3.0 के अंतर्गत जीएफएमएस पोर्टल पर प्रदर्शित की गयी हैं। प्रमाणित रिक्तियों के विरुद्ध ही शासकीय विद्यालय में अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जायेगी। अतिथि शिक्षक के प्रथम चरण की कार्यवाही 26 जून से शुरू हो गयी है। अतिथि शिक्षक की उपस्थिति रिक्वेस्ट का प्रमाणीकरण एक से 3 जुलाई तक किया जायेगा। पोर्टल पर द्वितीय चरण की संभावित समय-सारणी 5 जुलाई से शुरू होकर 12 जुलाई तक समाप्त हो जायेगी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षक की कार्यवाही पूर्णत- ऑनलाइन है, किसी भी अतिथि शिक्षक को ऑफलाइन आमंत्रित नहीं किया जायेगा। अतिथि शिक्षक व्यवस्था के विस्तृत रूप से दिशा-निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल-3.0 पर देखे जा सकते हैं।

मसालों और हैंडीक्राफ्ट के एक्सपोर्ट को प्रोत्साहित करने राज्य स्तरीय कार्यशाला

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के विभिन्न उत्पादों विशेष रूप से मसालों एवं हैंडीक्राफ्ट उत्पादों के एक्सपोर्ट को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन नेशनल एक्सपोर्ट को-ऑपरेटिव लिमिटेड (एनईसीएल) और मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यशाला में 'मध्यप्रदेश के किसानों को निर्यात के लिये सक्षम बनाना' विषयक संयुक्त उत्पाद संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया है। इस अवसर पर मसालों के निर्यात को संस्थागत रूप से बढ़ावा देने के लिए नेशनल एक्सपोर्ट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के साथ मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ और कृषि मंडी बोर्ड के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। कार्यशाला में प्रदेश भर से लघु एवं मध्यम स्तर के मिर्च, धनिया, लहसुन आदि मसाला उत्पादक किसान, हस्तशिल्प निर्माता, सहकारी समितियाँ, एफपीओ तथा अन्य उत्पादक समूह भाग लेंगे। विशेषज्ञों द्वारा निर्यात प्रक्रिया, अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, और बाजार उपलब्धता जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे।

पंचायत उप निर्वाचन के लिये मतदान 22 जुलाई को

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत उप निर्वाचन वर्ष 2025 के लिये निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। मतदान 22 जुलाई को होगा। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने बताया है कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन तथा नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य एक जुलाई से प्रारंभ होगा। नाम निर्देशन पत्र 8 जुलाई तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की जांच 9 जुलाई को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 11 जुलाई है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन किया जायेगा। मतदान 22 जुलाई को सुबह से 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतदान केन्द्र पर ही मतदान समाप्ति के तुरंत बाद 22 जुलाई को ही मतगणना होगी।

सामाजिक सहभागिता से ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव : सामाजिक न्याय मंत्री कुशवाह

भोपाल (एजेंसी)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायन सिंह कुशवाह ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। सामाजिक सहभागिता से ही नशा मुक्त समाज बनाया जा सकता है। मंत्री श्री कुशवाह अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिरण विभाग के सभागार में आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के राज्य स्तरीय समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2047 में भारत को विश्व गुरु बनाने का जो सपना देखा है, उसको साकार करने में नशा मुक्त भारत का निर्माण महत्वपूर्ण कड़ी होगा।

प्रदेश सरकार, भारत सरकार के साथ हर स्तर पर नशा मुक्त समाज निर्माण के लिये जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्तिगत ही नहीं सामाजिक बुराई भी है। इसलिए बिना सामाजिक भागीदारी और सक्रियता के नशा मुक्त समाज के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि प्रदेश में सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा एक जून से 26 जून 2025 तक नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें स्थानीय, जिला प्रशासन के साथ स्वयं सेवी संस्थाओं, संगठनों के माध्यम से स्कूल, कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। अभियान के अन्तर्गत पुलिस प्रशासन के माध्यम से वाहन चालकों जागरूकता अभियान, अनुभाग और जनपद स्तर सभाओं का आयोजन शपथ ग्रहण समारोह, स्कूल, महाविद्यालयों में नशामुक्ति का संदेश वाले संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि विशेष रूप से 10वीं से 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को नशा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाना चाहिए, उन्होंने विद्यालयों में नशा से बुराई और दुष्परिणाम विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित करने का सुझाव भी दिया। इस अभियान के तहत राष्ट्रीय नशा मुक्ति हैल्पलाइन नम्बर 14446 का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

प्रमुख सचिव श्री रघुराज एम.आर. ने कहा कि नशा मुक्ति के लिए जो भी लोग काम कर रहे हैं वह बधाई के पात्र है। यह समाज निर्माण का कार्य है उन्होंने कहा कि की घड़े में पानी तभी रुक सकता है जब उस घड़े के अंदर कोई छेद ना हो। इसी तरह से स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक है तो उसमें नशा रूपी कोई छेद न हो।

उप सचिव सुश्री अंकिता धाकरे ने 1 जून से 26 जून 2025 तक चलाए गये नशा मुक्ति अभियान का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया तथा नशा न करें की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर डीआईजी म.प्र. पुलिस नारकोटिक्स विंग श्री संजीव कंचन, डॉ. नलिनी गौड़ सहित अन्य गणमान्य नागरिक विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

राज्यपाल से केन्द्रीय राज्यमंत्री पटेल ने की सौजन्य भेंट

(एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने राजभवन में गुरूवार को सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल ने केन्द्रीय राज्यमंत्री श्रीमती पटेल का श्रीफल, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह स्वरूप सांची स्तूप की प्रतिकृति भेंट कर स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल का केन्द्रीय राज्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर अभिनंदन किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल के बीच मध्यप्रदेश में सिकल सेल उन्मूलन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों और प्रयासों पर विचार विमर्श हुआ। राज्यपाल श्री पटेल ने केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती पटेल को बड़वानी में विश्व सिकल सेल दिवस के आयोजन और प्रदेश सरकार द्वारा सिकल सेल उन्मूलन के लिए 100 दिवस के विशेष अभियान के साथ प्रदेश में चल रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा की।

वक़्फ सपत्तियों के डिजिटलाइजेशन में मध्यप्रदेश बन रहा मॉडल

भोपाल (एजेंसी)। वक़्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन के कार्य में देश में मध्यप्रदेश मॉडल बनकर उभर रहा है। प्रदेश में वक़्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा राजस्व विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। प्रदेश की सभी 15003 वक़्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। पहले स्तर पर वक़्फ बोर्ड द्वारा डिजिटलाइजेशन के कार्य का वेरिफिकेशन कर लिया गया है। दूसरे स्तर पर राजस्व विभाग द्वारा जिला स्तर पर वेरिफिकेशन का कार्य किया जा रहा है। अब तक कुल डिजिटलाइजेशन सम्पत्तियों में से 2425 सम्पत्तियों का वेरिफिकेशन राजस्व विभाग द्वारा किया जा चुका है। प्रदेश में सर्वाधिक वक़्फ सम्पत्तियों वाले 11 जिलों में कुल वक़्फ सम्पत्तियों और डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि उज्जैन, विदिशा, भोपाल, शाजापुर, सीहोर, रायसेन, इंदौर, धार, बुरहानपुर, देवास और मंदसौर जिलों की सभी वक़्फ सम्पत्तियों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। इनमें उज्जैन जिले की 1054, विदिशा जिले की 929, भोपाल जिले की 816, शाजापुर की 801, सीहोर की 699, रायसेन की 665, इंदौर की 645, धार की 638, बुरहानपुर की 573, देवास की 572 और मंदसौर जिले की 528 वक़्फ सम्पत्तियाँ शामिल हैं। मध्यप्रदेश में केन्द्र सरकार की अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के लिये संचालित प्रधानमंत्री जन-विकास कार्यक्रम की सभी 7 परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने बताया कि अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में प्रगतिरत परियोजनाओं में श्योपुर में 269 लाख लागत की सदभावना मण्डप परियोजना का कार्य 45 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। इंदौर जिले में महू में 269 लाख रुपये लागत के सदभावना मण्डप का कार्य 70 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। खरगौन में 269 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सदभावना मण्डप का कार्य 85 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री जन-विकास कार्यक्रम अंतर्गत श्योपुर जिले में 65 लाख रुपये से 8 आँगनवाड़ी के निर्माण का कार्य 80 प्रतिशत और इंदौर जिले के महू में 255 लाख रुपये लागत से बनने वाले 100 सीटर कन्या छात्रावास के निर्माण का कार्य 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

जनजातीय अंचलों में आत्मनिर्भरता और सुविधा की नई इबारत

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के जनजातीय बहुल अंचलों में एक समय ऐसा था जब गरीब और दूरस्थ गांवों के लोगों को राशन प्राप्त करने के लिए मीलों दूर शासकीय उचित मूल्य दुकान तक पैदल चलना पड़ता था। यह न केवल समय और श्रम की बर्बादी थी, बल्कि कई बार बुजुर्ग, महिलाएं और मजदूरी करने वाले लोग राशन लेने से वंचित रह जाते थे। इस जमीनी सच्चाई को बदलने की पहल बनी राज्य शासन की मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना ने उन गांवों को राहत दी, जहाँ उचित मूल्य दुकानें नहीं थीं और परिवारों को दूसरे गांवों में जाकर खाद्यान्न लेना पड़ता था। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री

गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना के तहत प्रदेश के 6575 आश्रित गांवों के करीब 7.13 लाख परिवारों को अब उनके ही गांव में राशन सामग्री मिलने लगी है। यह वितरण अनुसूचित जनजाति के चयनित हितग्राहियों द्वारा चलाए जा रहे वाहनों के माध्यम से होता है, जिससे दोहरा लाभ मिल रहा है - लोगों को राशन की सुविधा गांव में और युवाओं को स्वरोजगार। प्रदेश के 20 जिलों के 89 जनजातीय विकासखंडों में 472 सेक्टर बनाए गए हैं, जहाँ बैंक ऋण और राज्य सरकार द्वारा 2 से 3 लाख रुपये तक की मार्जिन मनी दी जाती थी, इसकी सहायता से युवा वाहन के मालिक बने हैं। इन्हें प्रति माह एक मीट्रिक टन वाहन क्षमता के लिये 24,000 रूपये और 2 मीट्रिक टन वाहन क्षमता के लिये 31,000 रूपये निश्चित किराया भी दिया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में योजना से व्यापक लाभ हुआ है ।ग्रामीणों को राशन के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता। अब समय, श्रम और धन की बचत, युवा आदिवासियों को स्थायी स्वरोजगार, सामाजिक गरिमा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा और शासन की सेवाओं की सीधी पहुँच हो गई है।

महाकवि कालिदास का मंदसौर एवं उज्जैन से गहरा एवं भावनात्मक संबंध रहा : उप मुयमंत्री देवड़ा

भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि महाकवि कालिदास का मंदसौर एवं उज्जैन से गहरा एवं भावनात्मक संबंध रहा है। महाकवि कालिदास ने महाकाल और अष्ट-मुखी भगवान पशुपतिनाथ का वर्णन किया है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में दो दिवसीय कालिदास प्रसंग आयोजन में गुरुवार को हुए शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि यह संस्कृति और परंपराओं का आयोजन है। इसमें अधिक से अधिक लोग जुड़ें और भारतीय संस्कृति को जानें।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने सरस्वती पूजन के साथ आयोजन का शुभारंभ किया। कालिदास प्रसंग का यह आयोजन लगातार 11 वर्षों से हो रहा है। यह आयोजन कालिदास अकादमी उज्जैन, संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से किया जाता है। यह आयोजन 26 जून एवं 27 जून दो दिवस तक चलेगा। कालिदास प्रसंग के साथ-साथ कालिदास पर आधारित साहित्य, महाकाव्य, खंडकाव्य एवं रचनाओं की एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है। आयोजन में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा कि कालिदास का दशपुर से बहुत ही गहरा नाता रहा है। कालिदास ने मेघदूत एवं अभिज्ञान शाकुंतलम में दशपुर का वर्णन किया है। दोनों काव्य इस बात के साक्षी हैं कि कालिदास मंदसौर के थे। उन्होंने आग्रह किया कि अभिज्ञान शाकुंतलम् एवं मेघदूत काव्य की प्रतिमाएं पशुपतिनाथ कॉरिडोर में स्थापित की जाए।

दिव्यांग मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं : मुय निर्वाचन पदाधिकारी सिंह

भोपाल (एजेंसी)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री सुखवीर सिंह ने गुरुवार को निर्वाचन सदन भोपाल में राज्य स्टीयरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की। छूटे हुए दिव्यांग मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाए जाने के संबंध में चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा कमेटी के सदस्यों से सुझाव भी प्राप्त किए। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत कराया ।उन्होंने कहा कि दिव्यांग मतदाताओं के मताधिकार के दृष्टिगत आयोग द्वारा मतदान केन्द्रों में बुनियादी न्यूनतम सुविधाओं को सुदृढ़ बनाया गया है। दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हील चेयर, रैंप, बड़े अक्षरों में साइनेज, टोकन सिस्टम, बैठने की सुगम व्यवस्था, पीने का पानी, दिव्यागजनों के लिए अनुकूल शौचालय इत्यादि की व्यवस्था गई है। ही दिव्यांगजन अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सके साथ ही यह भी पता लगा सके, इसके लिए की सुविधा प्रदान की गई है। यह मोबाइल एप्लीकेशन ऐप है। दिव्यांग मतदाता द्वारा वोटर हेल्पलाइन एप/एनव्हीएसपी पोर्टल के माध्यम से अपनी दिव्यांगता की स्थिति को अद्यतन कर सकता है। दृष्टिहीन दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए ब्रेल लिपी में मतदाता परिचय पत्र एवं मतपत्र की सुविधा प्रदान की गई है। चुनाव से पूर्व दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान अधिकारियों, पुलिस कर्मियों और गैर सरकारी सगठनों इत्यादि को दिव्यागजनों से सम्मानपूर्वक बातचीत करने एवं उनकी आवश्यकताओं को पहचान कर उसके अनुरूप मतदान को अधिक सुलभ बनाने के लिये प्रशिक्षण दिए जाने की भी व्यवस्था की गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने बताया कि ऐसे दिव्यांग मतदाता, जिनका नाम मतदाता सूची में है और वे 40त्न से अधिक विकलांगता के मानक प्रमाण पत्र धारी हैं और मतदान केन्द्र तक पहुंचने में अक्षम हो उन्हें 12-ष्ठ (डाक मतपत्र) के द्वारा मतदान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। निर्वाचन के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिव्याजनों को मतदान एवं मतदान केन्द्र पर सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए सक्षम ऐप भी बनाया गया है। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने कहा कि आने वाले मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण में बीएलओ द्वारा दिव्यांग मतदाताओं के घर-घर जाकर सर्वे किया जाएगा। आयोग द्वारा दिव्यांग मतदाताओं के लिए समय समय पर जारी किए जाने वाले दिशा निर्देशों के बारे में भी जानकारी दी गई।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए दिल्ली में एक दिवसीय कार्यशाला

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए, विश्वकर्मा भवन आईआईटी दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी करेगी सहभागिता करेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप भारतीय भाषाओं के समग्र और बहुविषयक विकास के लिए क्रियान्वयन एवं कार्ययोजना के लिए आवश्यक एवं महत्वपूर्ण अनुशंसा करने के लिए भारतीय भाषा समिति का गठन किया गया है। भारतीय भाषा समिति के द्वारा मुख्य रूप से भारतीय भाषाओं के लिए एक समान वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के लिए मंथन को लेकर यह कार्यशाला आयोजित की गई है। कार्यशाला में मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल की ओर से अकादमी के संयुक्त संचालक डॉ. उत्तम सिंह चौहान एवं सहायक संचालक श्री राम विश्वास कुशवाहा प्रतिनिधित्व करेंगे। अकादमी के पदाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षा के सभी स्तरों पर शिक्षण के माध्यम के रूप में मातृभाषा/स्थानीय भाषा के उपयोग पर जोर दिया गया है। भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें और अध्ययन सामग्री छात्रों को विषयों को बेहतर ढंग से समझने में सहायता करेगी। भारतीय भाषा पुस्तक योजना एक केंद्रीय योजना है, जो स्कूल और उच्च शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर पढ़ाई जा रही पाठ्यपुस्तकों को 22 भारतीय भाषाओं में डिजिटल रूप में उपलब्ध कराएगी। पुस्तक योजना का समन्वय भारतीय भाषा समिति द्वारा किया जाता है तथा इसकी योजना और क्रियान्वयन संबंधित विनियामक प्राधिकरणों और यूजीसी, एआईसीटीई, आईएनआई और संस्थाओं द्वारा विकेंद्रीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से किया जाता है। विश्वविद्यालय/संस्थाएं; पुस्तक निर्माण, मूल लेखन या अनुवाद के लिए दोनों या इनमें से किसी भी दृष्टिकोण को अपना सकते हैं। पुस्तक योजना में विशेष रूप से विषय-वस्तु निर्माण और अनुवाद में शब्दावली के अखिल भारतीय अंतर-उपयोग के लिए एक समान शब्दावली की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह हमारे देश में शिक्षा के भारतीय भाषा माध्यम को मजबूत करने तथा भाषाई आत्मीयता और एकता की दिशा में एक अग्रणी कदम है।

संस्कृत विद्यालयों के परीक्षा परिणाम घोषित

भोपाल (एजेंसी)। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान द्वारा प्रदेश में संचालित समस्त शासकीय एवं अशासकीय संस्कृत विद्यालयों के कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम भोपाल के महर्षि पतंजलि संस्थान के निदेशक श्री पी.आर. तिवारी द्वारा घोषित किये गये। संस्कृत माध्यमकी कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में शासकीय आवासीय कन्या संस्कृत विद्यालय (गार्गी) भोपाल की छात्रा कुमारी शिखा धनगर और सद्गुरू संकल्प संस्कृत विद्यालय लटेरी जिला विदिशा के छात्र हरि त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से समान अंक प्राप्त करते हुए प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में शासकीय आवासीय कन्या संस्कृत विद्यालय (गार्गी) भोपाल की छात्रा कुमारी सलोनी चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। संस्कृत माध्यम की कक्षा 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में शासकीय आवासीय कन्या संस्कृत विद्यालय भोपाल ने पुन- अपनी श्रेष्ठता कायम की है। परीक्षा परिणाम संस्थान के पोर्टल पर प्रदर्शित किये गये हैं। विद्यार्थी अपना रोल नम्बर अंकित कर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं और ई-अंकसूची प्राप्त कर सकते हैं।

संस्थान की मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये जल्द ही द्वितीय परीक्षा आयोजित की जायेगी। द्वितीय परीक्षा की समय सारणी संस्थान द्वारा शीघ्र घोषित की जायेगी।

नव उद्यमियों को इन्डेन्ट पत्र और स्व-सहायता समूहों को ऋण वितरण

'राज्य शासन की औद्योगिक नीति सभी राज्यों से बेहतर'

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को रतलात जिले के पोलो ग्राउण्ड में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एण्ड एम्पलायमेंट कन्क्लेव के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रदेश के सभी जिलों में 'राइज' के जिला स्तरीय कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। सतना कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्र म को संबोधित करते हुए सांसद गणेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। महापौर सतना योगेश ताम्रकार ने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य की औद्योगिक नीति सभी राज्यों से बेहतर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में रतलाम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, एकेएस यूनिवर्सिटी के चेयरमैन अनंत सोनी, प्रो. चांसलर डॉ. हर्षवर्धन वास्तव सहित नवउद्यमी एवं स्व सहायता समूहों की दीदियां उपस्थित रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस मौके पर सांसद गणेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी संभाग और बडे औद्योगिक जिलों में इंडस्ट्रीयल कान्क्लेव आयोजित कर नव उद्यमियों को प्रोत्साहन और सुविधा देने का कार्य किया है। रीजनल कान्क्लेव का मुख्य उद्देश्य रहता है कि स्किल डिवलपमेंट कर एम्पलायमेंट का जनरेशन किया जाये। उन्होंने कहा कि सतना-मैहर सहित पूरे रीवा संभाग में औद्योगिक विकास की प्रचुर संभावनायें है।

महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि पिछले 42 साल के औद्योगिक क्षेत्र के अनुभव के आधार पर कह सकते है कि मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीति पूरे देश में सबसे अच्छी और बेहतर है। मध्यप्रदेश पहला प्रदेश है जहां उद्योग स्थापना के लिए 40 प्रतिशत की कैपिटल सब्सिडी मिलती है और सोलर पावर जनरेशन के लिए अलग से सब्सिडी है। महापौर ने औद्योगिक क्षेत्र के बेहतर विकास और समस्याओं के निदान के लिए उद्योग संघ और उद्योग जगत की प्रशासन के साथ प्रतिमाह बैठक करने की सलाह दी। एकेएस यूनिवर्सिटी के प्रो. वाइस चांसलर डॉ. हर्षवर्धन वास्तव ने कहा कि अगले माह यूनिवर्सिटी और जिला प्रशासन के सहयोग से सतना जिले में बडा इंडस्ट्रीयल कन्क्लेव आयोजित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। जिससे रीवा-शहडोल संभाग के जिले सहित पन्ना और छतरपुर जिले के उद्यमियों को आमंत्रित किया जायेगा।

कार्यक्रम में सांसद गणेश सिंह और महापौर योगेश ताम्रकार ने मटेहना औद्योगिक क्षेत्र के नव उद्यमी साधना लोनी, अजिया तिवारी, सुदामामल तीर्थवानी, कंचन तीर्थवानी को भूखंडों के लेटर आफ इन्डेन्ट प्रदान किये। इस मौके पर राज्य आजीविका मिशन ग्रामीण के अंतर्गत तीस स्व सहायता समूहों को 1 करोड 7 लाख की ऋण राशि का डैमो चेक और 13 स्व सहायता समूहों को 29 लाख 80 हजार रूपये के बैंक लिंकेज स्वीकृति पत्र भी वितरित किये गये। मुद्रा योजना के अंतर्गत 3 हितग्राहियों को 18 लाख रूपये के ऋण भी वितरित किये गये।

रीवा में विश्व हिंदू परिषद द्वारा 28 जून को नि :शुल्क हड्डी रोग शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व हिंदू परिषद (सेवा विभाग) द्वारा 28 जून को कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम, रीवा में सुबह 10 बजे से निःशुल्क हड्डी रोग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष सुनील सिंह ने बताया कि इस शिविर में इंदौर के सहज हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम हड्डी रोग, कूल्हे और कमर दर्द से संबंधित मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करेगी।

शिविर में परामर्श और एक्स-रे की सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध होगी। जिला मीडिया प्रमुख सुमित डिगवानी ने बताया कि परिषद के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों तक इस शिविर की जानकारी पहुंचा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक मरीज लाभ उठा सकें। यह पहल पूरे जिले की तहसीलों में भी आयोजित की जाएगी।

इच्छुक मरीज सुबह 10 बजे ऑडिटोरियम पहुंचकर या मोबाइल नंबर 8223083055 पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। परिषद ने अपील की है कि इस शिविर की जानकारी जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाएं।

जिलापंचायत सतना में अनियमितता का आरोप, विकास कार्य ठप - संजय सिंह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह कछवाह ने सतना जिले की ग्राम पंचायतों में व्याप्त समस्याओं पर सवाल उठाते हुए जिला पंचायत सीईओ संजना जैन को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि सचिवों की कमी और मझगवां ब्लॉक में स्थानांतरण प्रक्रिया में अनियमितता के कारण कई पंचायतें सचिव विहीन हो गईं, जिससे विकास कार्य रुक गए हैं। स्थानांतरण में दिशानिर्देशों की अनदेखी और मांग के बावजूद सरपंच व सचिवों पर कार्रवाई न होना भी गंभीर मुद्दा है।

विकास कार्यों में अवरोध, सरकारी धन बेकार: संजय सिंह ने आरोप लगाया कि जिला पंचायत सीईओ के स्तर पर निष्क्रियता के कारण सरकारी धन खातों में पड़ा है और विकास कार्यों की गुणवत्ता जांच समितियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं हो रही। इससे सीईओ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

मध्याह्न भोजन योजना में उल्लंघन: मध्याह्न भोजन योजना में बिना अनुबंध के स्वयं सहायता समूहों द्वारा भोजन आपूर्ति को नियमों का उल्लंघन बताया। क्षतिग्रस्त रसोईघरों की मरम्मत न होने से बरसात में भोजन तैयार करने में परेशानी हो रही है।

ग्रामीण मुद्दों की अनदेखी: जिला पंचायत में सम्मेलन न बुलाए जाने पर संजय सिंह ने आपत्ति जताई और कहा कि इससे ग्रामीण जनता के हितों को दबाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

अतिथि विद्वानों को सत्र 2025-26 में सेवा का आदेश, फिक्स वेतन और स्थायीकरण की मांग अधूरी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के सरकारी महाविद्यालयों में रिक्त पदों पर कार्यरत अतिथि विद्वानों को सत्र 2025-26 में सेवा जारी रखने का आदेश उच्च शिक्षा विभाग ने जारी किया है। आयुक्त कार्यालय, सतपुड़ा भवन, भोपाल से 05/10/2023 को जारी पत्र (क्रमांक 1/1/201/2023/38-1) के तहत, अतिथि विद्वान नियमावली की कंडिका 3.2 के अनुसार, प्राचार्यों को 30 जून 2025 तक नियमित रिक्त पदों पर कार्यरत अतिथि विद्वानों को ढ्ढशाळिवारस्ब्ध्हूस पोर्टल में अपडेट करने और रिक्त पदों को तत्काल दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। अंतिम तिथि 10 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है।

हालांकि, अतिथि विद्वान महासंघ ने इस आदेश पर निराशा जताई है। महासंघ की प्रदेश उपाध्यक्ष (महिला मोर्चा) डॉ. किरण सिंह और डॉ. सपना सिंह ने कहा कि अतिथि विद्वानों को फिक्स मासिक वेतन और स्थायीकरण/समायोजन की उम्मीद थी, लेकिन पुरानी व्यवस्था को ही जुलाई से लागू कर दिया गया। उन्होंने हरियाणा सरकार के विद्वान हित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय की तर्ज पर मध्य प्रदेश सरकार से भी कदम उठाने की मांग की।

हजारों अतिथि विद्वान बेरोजगार: महासंघ के जिलाध्यक्ष डॉ. पुष्पराज सिंह ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग में प्राध्यापकों के तबादलों के कारण हजारों अतिथि विद्वान बेरोजगार हो गए हैं। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि कोई अतिथि विद्वान बाहर नहीं होगा, लेकिन नेट, सेट, पीएचडी धारी और 20-25 साल से सेवा देने वाले विद्वानों को बेरोजगार कर दिया गया। यह कहां का न्याय है?" उन्होंने पोर्टल में दबाए गए पदों को खोलने की मांग की।

"अतिथि व्यवस्था शोषण का प्रतीक": महासंघ के मीडिया प्रभारी डॉ. आशीष पाण्डेय ने कहा, "अतिथि व्यवस्था शोषण का प्रतीक है, जबकि विद्वान विद्वता का। 25 साल से सेवा देने वाले और नए नियुक्त विद्वानों को एक समान रखना अन्यायपूर्ण है। सरकार को अतिथि व्यवस्था खत्म कर एक बेहतर कैडर बनाना चाहिए, जिसमें योग्यता और अनुभव को प्राथमिकता मिले। हरियाणा सरकार की तरह मध्य प्रदेश सरकार भी विद्वान हित में ऐतिहासिक आदेश जारी करे।"

जेपी सुपर थर्मल पावर प्लांट शैक्षणिक भ्रमण रिपोर्ट लेखन में उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, रीवा के भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित जेपी सुपर थर्मल पावर प्लांट, निगरी सिंगरौली के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान रिपोर्ट लेखन के मूल्यांकन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करने हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन महाविद्यालय के सभागार में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. आर. पी. सिंह, अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, रीवा एवं शहडोल संभाग ने कहा, "छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण का अवसर मिलने पर उनका व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित होता है। इस प्रकार की रिपोर्ट लेखन प्रतियोगिताएँ उन्हें अपने अनुभवों को सहेजने एवं प्रस्तुत करने की कला सिखाती हैं, जिससे उनके व्यक्तित्व विकास में मदद मिलती है। छात्र जीवन में ऐसे आयोजनों का महत्व आगे चलकर उनके करियर एवं समाज में सकारात्मक योगदान देने में भी सहायक होता है।"

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के पूर्व छात्र एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री मथुरा प्रसाद गुप्ता ने कहा, "मैं आज अत्यंत गर्व और भावुकता का अनुभव कर रहा हूँ कि जिस महाविद्यालय में मैंने शिक्षा प्राप्त की, वहाँ के छात्र आज इतने उत्साह और लगन से तकनीकी भ्रमण कर अपने अनुभवों को रिपोर्ट लेखन के माध्यम से प्रस्तुत कर रहे हैं। यह हमारे क्षेत्र की अकादमिक संस्कृति को समृद्ध कर रहा है। शिक्षा केवल अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसमें सीखने की उत्सुकता, प्रश्न पूछने का साहस और अपने ज्ञान को दूसरों तक पहुँचाने का भाव भी होना चाहिए। इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का विकास करती हैं और समाज में उनके योगदान की भावना को सशक्त बनाती हैं। मैं सभी विजेता और प्रतिभागी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ तथा यह अपेक्षा करता हूँ कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार महाविद्यालय एवं समाज का नाम रोशन करते रहेंगे।"

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो. आर. एन. तिवारी ने कहा, "महाविद्यालय का प्रयास है कि छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण एवं व्यावहारिक शिक्षा प्रदान की जाए। रिपोर्ट लेखन जैसी प्रतियोगिताएँ उन्हें अपने विचारों को व्यवस्थित रूप से व्यक्त करने का अवसर देती हैं, जिससे उनकी अकादमिक गुणवत्ता एवं प्रस्तुतीकरण कौशल में वृद्धि होती है।" भौतिक शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. यश कुमार सिंह ने कहा, "विभाग का उद्देश्य छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन की तकनीकी प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से दिखाना एवं उन्हें रिपोर्ट लेखन के माध्यम से आत्म-अवलोकन का अवसर देना है।"

इस अवसर पर प्राणी शास्त्र विभाग के डॉ. अमिताभ मिश्र एवं डॉ. प्रदीप पटेल उपस्थित रहे। विभाग के प्राध्यापक डॉ. देवेंद्र शर्मा ने आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. संदीप तिवारी ने किया। विभाग के प्राध्यापक डॉ. लक्ष्मी त्रिपाठी, डॉ. आशीष गुप्ता एवं डॉ. अर्चना शुक्ला सहित एमएससी द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट लेखन प्रतियोगिता में एमएससी द्वितीय सेमेस्टर की नम्रता अग्रवाल ने प्रथम स्थान, एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर की रुक्मिणी ताम्रकार ने द्वितीय स्थान तथा एमएससी द्वितीय सेमेस्टर की दीक्षा त्रिपाठी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंचासीन अतिथियों द्वारा विजेताओं एवं अन्य प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।यह कार्यक्रम छात्र-छात्राओं में तकनीकी भ्रमण के महत्व, व्यावहारिक शिक्षा, एवं सृजनात्मक लेखन कौशल के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जिसने उनमें नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक जागेश्वर ताम्रकार ने संभाला पदभार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक जागेश्वर ताम्रकार ने पदभार ग्रहण करते हुए रायपुर कार्यालय में योजनाओं की समीक्षा की। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने नवांकुर योजना, जल गंगा संवर्धन अभियान, संस्कार अभियान और सूचना केंद्र नर्सरी के सशक्तिकरण पर विस्तृत चर्चा की।

जागेश्वर ताम्रकार ने कहा कि जन अभियान परिषद शासन और समाज के बीच सेतु का कार्य करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव में सरकार की योजनाओं का सतत मूल्यांकन कर जनता तक लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। वृहद वृक्षारोपण पर जोर देते हुए उन्होंने फलदार और पर्यावरण संरक्षक वृक्ष लगाने, उनकी निगरानी करने और चौपालों के माध्यम से जन जागरूकता बढ़ाने की बात कही। उन्होंने वृक्षारोपण को सनातन संस्कृति का पुण्य कार्य बताया।बैठक में ब्लॉक समन्वयक सुषमा शुक्ला, रामाशंकर त्रिपाठी, संकर्षण द्विवेदी, राजराखन पटेल, शिवानी पांडे, मनोज नापित, महेंद्र श्रीवास्तव, सौरव पांडे सहित परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

1 जुलाई को गांधी स्टेडियम सतना में लगेगा कृत्रिम अंग उपकरण वितरण शिविर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण के उप संचालक ने बताया कि जिले के दिव्यांगजनों को निःशुल्क मोटराइज्ड ट्रायसिकल व अन्य सहायक उपकरणों का एचपीसीएल व आईओसीएल के सीएसआर मद से भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम रिछाई जबलपुर की टीम द्वारा उपकरणों का वितरण 1 जुलाई को बिरला स्थित गांधी स्टेडियम सतना में सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता में किया जाना है। जिसमें दिव्यांग हितग्राहियों को शिविर स्थल तक अपने दस्तावेजों के सहित दूरभाष व मोबाइल नंबरों से उन्हें सरपंच, सचिवों, वार्ड प्रभारियों एवं मैदानी अमलों के माध्यम से उपस्थित करने एवं उन्हें सूचित करने के लिए सामाजिक सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये गये है।

अकादमी में प्रवेश हेतु खिलाडियों की चयनस्पर्धा का आयोजन 2 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रभारी खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025-26 में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी में प्रवेश के लिए बालक-बालिका खिलाडियों की चयनस्पर्धा का आयोजन 2 जुलाई को प्रातः 9 बजे से दादा सुखेन्द्र सिंह स्पोर्ट्स काम्पलेक्स जवाहर नगर सतना में किया जाना है। जिसमें प्रदेश स्तर के कोई भी खिलाडी भाग ले सकते हैं। खिलाडियों को चयन स्थल पर आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवासी, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र की मूल कॉपी एवं उनकी 2 छायाप्रति सहित उपस्थित होना अनिवार्य है। चयन ट्रायल में प्रतिभागिता करने वाले खिलाड़ियों को आवास, भोजन की व्यवस्था स्वयं वहन करना होगी। ट्रायल से संबंधित कोई भी जानकारी के लिए मो. 8982237027 एवं 8827979962 पर सम्पर्क कर सकते है।

जाखी एजी फीडरों की सप्लाई आज एवं कल प्रात: 9 से सायं 5 बजे तक बंद रहेगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सतना के कार्यपालन अभियंता पंकज द्विवेदी ने बताया कि 220 केव्ही लीलो लाइन वास्ते 400 केव्ही उपकेन्द्र पीजीसीआईएल सतना के लोकेशन म्गपेजपदह 5त् जव ।च्1 के मध्य वायरिंग कार्य हेतु मेंटीनेंस का कार्य किया जाना है। जिसमें 11 केव्ही जाखी एजी फीडर (सितपुरा से महकोना डीएल) की सप्लाई 28 जून एवं 29 जून को प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक बंद रहेगी।

शांति समिति की बैठक 3 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मोहर्रम एवं आगामी त्यौहारों के अवसर पर जिले में शांति व्यवस्था एवं सद्भावना बनाये रखने के उद्देश्य से 3 जुलाई को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार मैहर में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रानी बाटड की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

इंस्पायर अवार्ड मानक विज्ञान प्रदर्शनी में मयंक को प्रथम स्थान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री जवाहर नवोदय विद्यालय रहिकवारा सतना के कक्षा 12वीं विज्ञान संकाय के छात्र मयंक साहू ने शासकीय एक्सीलेंस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सतना में आयोजित जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड मानक विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मयंक के विज्ञान मॉडल ने निर्णायकों और उपस्थितजनों को अत्यंत प्रभावित किया और उन्हें आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने मयंक साहू की उत्कृष्ट प्रस्तुति एवं रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की और उन्हें विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता हेतु प्रोत्साहित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय सिंह ने मयंक को बधाई देते हुए कहा कि हमारे विद्यालय को मयंक साहू की इस उपलब्धि पर गर्व है। यह सफलता नवोदय की नवाचार भावना और कठिन परिश्रम का प्रतिफल है। यह उपलब्धि विद्यालय को गौरवान्वित करने के साथ-साथ अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेगी।

मानसून काल में पुल-पुलिया रपटा पर सुरक्षा प्रबंध करने कलेक्टर के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में अतिवृष्टि एवं बाढ़ से निपटने की मानसून काल में जलमग्नीय होने वाले पुलों, पुलियों, रपटों, सड़कों पर आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए जाने के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया कि मानसून काल में जलमग्नीय ओवरफ्लो होने वालें पुलों, पुलियों, रपटों, सड़कों पर संबंधित निर्माण एजेंसी को संकेतक लगवाने, दोनों ओर बैरियर लगवाने, खतरे के निशान की मार्किंग करवाने संबंधी कार्यवाही करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थानों पर पटवारी, कोटवार, सचिव, चौकीदार, लेबर सहित अन्य संबंधित विभागीय अमले की डयूटी लगाई जाये जो कि आपात स्थिति में वहां उपस्थित रहकर बैरिकेडिंग करने एवं पुलिस को सूचना देने संबंधी समस्त आवश्यक सुरक्षा प्रबंध करेंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला-रीवा (म.प्र.)

// निविदा सूचना //

क्रमांक-706/ई-टेण्डर/विद्युत/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक: 16/06/2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	ठेका क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2025_UAD_431151_1 26.06.2025 [FIRST CALL] 706/16.06.2025	नगर पालिक निगम रीवा के कार्यालय भवन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु 160KVA DG सेट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग का कार्य।	01 माह रु. 13.38 लाख	रु.2000.00 रु.10035.00	25.07.2025 18:00 बजे तक।

नोट: निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री, (विद्युत)
नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

विचार

आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग कहें या कुछ और, राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी वक्त महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र दिखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है। संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया। वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवत− भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा। किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैंकों और केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के जरिए दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैंकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से किस तरह बदसलूकी हुई। महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा नजर आया। कन्नड़ ना बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करते नजर आए।

बेटियों के लिये मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

ललित गर्ग

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परपरा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं।

'द इकोनॉमिस्ट' द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं।

पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकड़े चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? लेकिन अब इस संकीर्ण सोच में बदलाव आना एक सुखद संकेत है।

अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा। बालिकाएं पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है।

लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं। लेकिन इसके बावजूद भारत को लिंग समानता के वैश्विक आंदोलन की किसी भी तरह अनदेखी नहीं करनी चाहिए। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 वैश्विक लैंगिक अंतर का आकलन और तुलना करने के लिए एक समझने योग्य ढांचा प्रदान करके और उन देशों को उजागर करके जो इन संसाधनों को महिलाओं और पुरुषों के बीच समान रूप से विभाजित करने में रोल मॉडल हैं, रिपोर्ट अधिक जागरूकता के साथ-साथ नीति निर्माताओं के बीच अधिक आदान-प्रदान के लिए उत्प्रेरक का काम करती है। भारत में समान संपत्ति अधिकार लागू करने, दहेज प्रथा की कुरीति को समाप्त करने की दिशा में सख्त कदम उठाने चाहिए। तभी भारतीय समाज में लिंगभेद की मानसिकता खत्म होगी और लैंगिक समानता की दिशा में मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही देश में तेजी से बढ़ती बुजुर्गों की आबादी के लिये बालिकाएं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में आधार बन सकेगी।

युद्ध दो देशों में संघर्ष ही नहीं पारिस्थितिकी तंत्र पर भी ड़ालता है असर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

युद्ध केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं रहकर इसके साइड इफेक्ट जन-धन हानि से भी अति गंभीर होते हैं। युद्ध के चलते जिस तरह के गोला-बारुद और केमिकल युक्त बम, मिसाइलें और ना जाने क्या क्या का उपयोग होता है जो प्रकृति पर दूरगामी नकारात्मक असर छोड़ते हैं। आज भले ही इजरायल-ईरान युद्ध के बीच युद्धविराम हो गया हो और भारत पाक युद्धविराम की तरह इसका श्रेय भी डोनाल्ड ट्रम्प ले रहे हो पर युद्ध के दूरगामी दुष्परिणामों से आने वाली पीढ़ी और प्रकृति किसी को माफ करने वाली नहीं है। हालांकि इजरायल-युद्ध में दोनों देशों द्वारा ही अपनी अपनी जीत के दावें किये जा रहे हैं पर यह नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता तो दूसरी और आज के समय में युद्ध किसी निर्णायक स्तर पर पहुंच ही जाये यह भी कहा जाना बेमानी होगा।

इजरायल-ईरान युद्ध से पहले इजरायल-हमास युद्ध, भारत पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिन्दूर और लंबे समय से लगातार चला आ रहा रुस-यूक्रेन युद्ध हमारे सामने हैं। आज चल रहे इन युद्धों में से किसी को भी निर्णायक स्तर पर पहुंचते हुए नहीं देखा जा सकता और आज के समय के इन युद्धों को निर्णायक स्तर पर ले जाने की बात करना भी बुद्धिमानी नहीं मानी जा सकती। आज का युद्ध कोई बच्चों का खेल नहीं है। यूक्रेन जैसा छोटा सा देश रुस जैसे बिग गन का पूरे साहस के साथ मुकाबला कर रहा है।

देखा जाए तो आज दुनिया के हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। एक और युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं तो दूसरी और दुनिया के देश आंतकवादी गतिविधियों से दोचार हो रहे हैं। बांग्लादेश का तक्ता पलट हमारे सामने है तो पाकिस्तान में औपचारिक रुप से सेना द्वारा सत्ता पर काबिज होने के समाचार देर सबेर आने ही है। अमेरिका में दूसरे देशों से शरणार्थी के रुप में आये लोग आये दिन नाक में दम कर रहे हैं। यूरोपीय देश खासतौर से फ्रांस इसका भुक्तभोगी रह चुका है। देखा जाए तो दुनिया के अधिकांश देश अशांति के हालात से दो चार हो रहे हैं।

युद्ध चाहे आज के जमाने का हो या पुराने जमाने का अपने निशान धरती पर लंबे समय तक के लिए छोड़ जाते हैं। यह कहना कि युद्ध इतिहास की बात रह जाता है, गलत होगा। यह विश्लेषण में युक्तिसंगत नहीं कहा जा सकता कि युद्ध के दौरान अमुख देश के इतने करोड़ रुपए प्रतिदिन खर्च हो रहे थे या युद्ध के कारण जनहानि के साथ ही करोड़ों की संपत्ति और युद्ध सामग्री का नष्ट होना भी एक बात है। इसके साथ ही युद्ध में प्रयुक्त सामग्री खासतौर से युद्ध आयुधों के प्रयोग के कारण प्रकृति पर कितना प्रतिकूल असर पड़ता है वह अकल्पनिय होता है। हालिया युद्धों में किस तरह से मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है और दूसरी और उन्हें नष्ट करने के प्रयास हुए हैं। इससे केवल क्षेत्र विशेष ही नहीं अपितु वायु मण्डल, पारिस्थिति तंत्र सहित प्रकृति पर गंभीर दूरगाामी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बम, गोलाबारी, धुंआ, रासायनिक तत्वों के उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों में बढ़ोतरी हुई है।

ग्लोबल वार्मिंग पर इसका सीधा सीधा असर पड़ेगा। यह तो वायु मण्डल के प्रदूषित होने और ग्लोबल वार्मिंग की बात है दूसरी तरफ रासायनिक बमों के अवशेष और युद्ध के कारण बारुदी सुरंगों या बारुद आदि सामग्री के उपयोग के कारण भूजल, मिट्टी आदि भी प्रदूषित होती है और पानी के प्रदूषित होने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। इसके साथ ही जल, थल और नभ तीनों ही स्थानों पर जैव विविधता प्रभावित होती है। वन्य जीवों के साथ ही पशु-पक्षियों सहित अन्य प्रजातियों की विलुप्ति सहित अनेक दुष्प्रभाव सामने आते हैं। युद्ध के कारण जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से प्रदूषण के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों पर विपरीत प्रभाव आता है।

पारिस्थितिकी तंत्र के प्रभावित होने के साथ ही युद्ध के कारण जिस तरह से जन-धन हानि और प्रकृति पर विपरीत प्रभाव के साथ ही युद्ध के कारण संसाधनों के नष्ट होने, उन्हें वापिस दुरुस्त करने, आधारभूत संरचना विकसित करने और कुछ कार्य तत्काल दुरुस्त करने के होते हैं तो कुछ सुधार कार्यों में लंबा समय लगना होता है। इस तरह से युद्ध के कारण केवल दो देशों के बीच तात्कालीक संघर्ष और संघर्ष विराम मात्र नहीं होता और युद्ध का असर केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं होता यहां तक कि युद्ध का असर युद्धरत देशों तक ही नहीं होता अपितु युद्ध के कारण प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकांश देश प्रभावित होते हैं और प्राकृतिक संसाधनों पर सीधा असर पड़ता है। आज जिस तरह से विश्व गांव की बात की जाती है ग्लोबल की बात की जाती तो है यह साफ है कि युद्ध केवल युद्धरत देशों ही नहीं अपितु समूचे विश्व को युद्ध की आंच से दो चार होना पड़ता है। ऐसे में साम्राज्यवादी सोच और अहम् को त्याग कर उसके स्थान पर आपसी समझ और बातचीत से ही समस्या का समाधान महत्वपूर्ण हो जाता है।

राष्ट्रीय मिशन ऑन एडिबल ऑयल योजना के तहत कछौड़ में किया गया मूंगफली बीज का वितरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय मिशन ऑन एडिबल ऑयल योजना के अंतर्गत विकासखंड मनेंद्रगढ़ की ग्राम कछौड़ क्षेत्र में किसानों को मूंगफली बीज का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम जिले में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से आयोजित किया गया । इस योजना के तहत पात्र किसानों को उन्नत किस्म के मूंगफली बीज प्रदान किए गए, जिससे वे खरीफ सीजन में अधिक उपज प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम का संचालन RAEO कछौड़ एवं कृषि विभाग के समन्वय से किया गया। कृषि विभाग के अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित किसानों को बीज की विशेषताओं, बुवाई की विधि, उर्वरक प्रबंधन, कीट नियंत्रण तथा फसल बीमा संबंधी जानकारी भी दी। साथ ही यह भी बताया गया कि यह योजना केंद्र एवं राज्य सरकार की संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है। कृषि विभाग के अनुसार, RAEO कछौड़ क्षेत्र में सैकड़ों किसानों को इस बीज वितरण से लाभ होगा। यह बीज विशेष रूप से उच्च उत्पादकता वाले हैं और स्थानीय जलवायु के अनुकूल हैं। कार्यक्रम के दौरान किसानों को सरकार द्वारा संचालित अन्य योजनाओं जैसे पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना आदि की भी जानकारी दी गई। किसानों ने इस पहल का स्वागत करते हुए सरकार और कृषि विभाग के प्रति आभार जताया। उनका कहना था कि समय पर बीज उपलब्ध कराना एक बड़ी राहत है, जिससे फसल की तैयारी सुचारू रूप से की जा सकेगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी किसानों को बीज किट वितरित किए गए और उन्हें तकनीकी सहायता हेतु RAEO कार्यालय से नियमित संपर्क में रहने की सलाह दी गई।

'मैं दोषी नहीं हूं' लिखकर पटवारी ने लगाई फांसी, बिलासपुर भारतमाला प्रोजेक्ट में फर्जीवाड़ा का आरोप

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर के बहुचर्चित भारतमाला परियोजना फर्जीवाड़े में निलंबित किए गए पटवारी सुरेश मिश्रा ने आत्महत्या कर ली है। शुक्रवार को सुरेश की लाश फार्म हाउस में फंदे से लटकी मिली है, जो उनकी बहन सरस्वती दुबे का है। मामला सकरी थाना क्षेत्र के जोकी गांव का है।बताया जा रहा है कि मिश्रा को कुछ दिन पहले ही निलंबित किया गया था। 30 जून को वे रिटायर होने वाले थे। सुरेश मिश्रा कुछ समय से मानसिक तनाव में थे। मौके से पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला है। दरअसल, भारतमाला परियोजना के तहत बिलासपुर-उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए भूमि अधिग्रहण में कथित फर्जी दस्तावेजों की जांच में उन्हें दोषी पाया गया था। इसके बाद 25 जून को भूमि अधिग्रहण में गड़बड़ी मामले में पूर्व तहसीलदार छ्य उइके और सुरेश मिश्रा के खिलाफ तोरवा थाने में नामजद FIR दर्ज की गई हुई थी।

बताया जा रहा है कि FIR के बाद वह टेंशन में थे। तनाव में आकर खौफनाक कदम उठाया है। उन्होंने जोकी गांव में अपनी बहन के फार्महाउस में फांसी लगाई है, वहां वह अक्सर जाया करते थे। परिजनों ने फंदे पर लाश देखकर पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही सकरी पुलिस जोकी गांव पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद लाश परिजनों को सौंपी जाएगी। फार्महाउस में पुलिस को सुसाइड नोट मिला है।

सकरी थाना प्रभारी प्रदीप आर्या ने बताया कि सुरेश मिश्रा ने दोपहर 1 बजे के करीब फांसी लगाई है। पुलिस को कमरा भीतर से बंद मिला। लाश कमरे के पंखे पर रस्सी के सहारे लटकी हुई थी। मौके में सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है।

बताया जा रहा है कि सुसाइड नोट में मैं दोषी नहीं हूं लिखा है। इसके साथ ही सुरेश ने सुसाइड नोट में षडयंत्र के साथ फंसाने का आरोप लगाया है, जिसमें कहा है कि बड़े अधिकारियों ने उन्हें जान-बूझकर फंसाया है। उनका इस केस से कोई लेना-देना नहीं है।

वहीं मामले SP रजनेश सिंह ने बताया कि पटवारी की आत्महत्या की जानकारी मिली है। सुसाइड नोट को लेकर जानकारी ली जा रही है। सुसाइड नोट में लिखे तथ्य और उसकी जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अब जानिए क्या है भारतमाला प्रोजेक्ट फर्जीवाड़ा केस ? दरअसल, भारतमाला परियोजना के तहत बिलासपुर-उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए जमीन अधिग्रहण में भारी गड़बड़ी उजागर हुई थी थी। ढेका गांव में अधिग्रहित जमीन के मुआवजा प्रकरण में फर्जी दस्तावेज तैयार कर सरकार को नुकसान पहुंचाया गया।

सरकार को आर्थिक क्षति पहुंचाने के आरोप में तत्कालीन तहसीलदार डीएस उइके और तत्कालीन पटवारी सुरेश कुमार मिश्रा के खिलाफ कार्रवाई की गई। सरकार के निर्देश पर एसडीएम और जिला स्तरीय समिति ने मामले की जांच की।

जिला स्तरीय जांच समिति के मुताबिक तत्कालीन तहसीलदार डीएस उइके और तत्कालीन पटवारी सुरेश कुमार मिश्रा की भूमिका संदिग्ध पाई गई। जांच में सामने आया कि राजस्व अभिलेखों में कूटरचना कर कुछ व्यक्तियों के नाम अवैध रूप से दर्ज किए गए।

इसके आधार पर नामांतरण और बंटवारे की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके कारण भूमि अधिग्रहण में वास्तविक से अधिक मुआवजा राशि की गणना हुई। इस गड़बड़ी के कारण शासन को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा और वर्तमान में प्रकरण लंबित होने के चलते मुआवजा वितरण नहीं हो सका है।

पटवारी सुरेश मिश्रा को कुछ दिन पहले ही कलेक्टर ने निलंबित कर दिया था। ढेका में पोस्टिंग के दौरान उसने भारत माला प्रोजेक्ट के मुआवजे को लेकर गड़बड़ी की थी। फिलहाल उनकी पोस्टिंग तखतपुर क्षेत्र में थी। उन्हें जिला मुख्यालय में अटैच किया गया था।

मोहर्रम का चांद दिखते ही इस्लामी नये साल की शुरुआत

मोहर्रम 06 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहीदाने कर्बला हज़रत इमाम हुसैन रज़ि. व 72 जानिशार साथियों की याद में मनाया जाने वाला यौमे आसूरा मोहर्रम पूरे प्रदेश के साथ-साथ विन्ध्य क्षेत्र में भी 06 जुलाई को मनाये जाने का निर्णय उम्मत-ए-मोहम्मदिया कमेटी रीवा की बैठक में लिया गया, मीटिंग की अध्यक्षता कमेटी संस्थापक मो0 शुऐब खान ने की, जबकि ऑल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के जिला अध्यक्ष मुस्तहाक खान विशेष रूप से उपस्थित रहें। मोहर्रम का चॉद दिखते ही 1447 हिजरी का आगाज हो गया। कमेटी ने समस्त विन्ध्यवासियों को नये वर्ष की मुबारकबाद दी है।

उम्मत-ए-मोहम्मदिया कमेटी रीवा के संस्थपक मोहसिन खान, राष्ट्रीय अध्यक्ष मो0 मखदूम खान एवं मीडिया प्रभारी अजहरूद्दीन खान ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया है कि मोहर्रम की पहली तारीख 27 जून को हुई, इस लिहाज से यौमे आसूरा मोर्हरम 06 जुलाई को मनाया जायेगा। मोहर्रम की पहली तारीख को इस्लाम के दुसरे खलीफा अमीरूल मोमिनीन हज़रत उमर फारूख रजि0 अन्हो की शहादत हुई थी, इनका इंसाफ पूरी दुनिया में बेमिशाल है। इस्लामी वर्ष यानी हिज़री सन् का पहला महीना है, हिज़री सन् का आगाज़ इसी महीने से होता है, इस माह को इस्लाम के चार पवित्र महीनों मे शुमार किया जाता है। इस्लाम का पहला महीना कुर्बानी से शुरू होकर आखरी महीना जिलहिज्जा कुर्बानी से समाप्त होता है, इन महीनों का अलग-अलग महत्व है। मोहर्रम की 9 एवं 10 तारीख को रोज़ा रखा जाता है, जो रमज़ान के रोज़ो के बाद इस रोज़े की बड़ी अहमियत है। हसीब खान राज ने बताया कि मोहर्रम के 10 तारीख को गरीबों को दान पुण्य करना चाहिये, गरीबों, यतीमों, मिस्कीनों को अच्छा से अच्छा भोजन कराना चाहिये व बीमारों की अयादत करने का हुक्म है, साथ ही यौमे आसूरा के दिन नफिल नमाज़ पढ़ने का बड़ा सबाब है। मोहर्रम की 10 तारीख को कर्बला का दर्दनाक वाक्या पेश आया, जिसमें हुजूर पाक सल्ल. के प्यारे नवासे हज़रत इमाम हुसैन रज़ि0 को ईराक स्थित कर्बला के मैदान में शहीद कर दिये गये थें। अजहरूद्दीन अज्जू ने बताया कि कर्बला की घटना अपने आप में बड़ी विभत्स और निन्दनीय है। हज़रत इमाम हुसैन रज़ि0 अपने नाना जान के उम्मत के लिये नमाज़ की हालत में सजदे में अपनी गर्दन न्योछावर कर दी। इस घटना से पूरी दुनिया में एक नये सिरे से सत्य का जन्म हुआ, क्योंकि ये जंग न तख्तोताज के लिये थी और न मालोज़र के लिये थी, बल्कि ये जंग हक व इंसाफ की जंग थी। इमाम हुसैन ने असत्य के सामने झुकने के बजाय सत्य के लिये अपनी जान देना मुनासिफ समझा और अपनी गर्दन कटा दी और रहती दुनिया तक के लिये अपने पीछे एक पैगाम छोड़ गये कि सत्य कभी असत्य के सामने नही झुकता, ये मिसाल अपने आप मे बेमिसाल और बेनज़ीर है जिसकी दुनिया में कहीं मिसाल नही मिलती। हमे इस महीने की कद्र करते हुये इमाम हुसैन के बताये हुये रास्ते पर अपना जीवन व्यतीत करना चाहिये। कमेटी के संस्थापक मो0 शुऐब खान, एवं मोहसिन खान, जिला संयोजक साबिर खान अशरफी, अध्यक्ष मो0 मखदूम खान, पार्षद प्रतिनिधि सहफूज खान, सचिव मुस्तहाक खान, मो0 एहसान, गुल मोहम्मद अंसारी, मीडिया प्रभारी अजहरूद्दीन खान, लईक कादरी, मुस्ताक खान, वाइज खान कादरी सुहैल अशरफी, सईद अशरफी, वहाबुद्दीन खान, माजिद खान, जान मोहम्मद खान, अयूब खान, राशिद खान, वाजिद खान, अयूब खान, शाहिद खान, गुलाम मोहम्मद, मो0 हसीब खान राज, मौलाना गुलाम मुजतबा अशरफ आदि ने देश, प्रदेश सहित विंध्यवासियों को नये इस्लामी साल की मुबारक बाद देते हुये जिला प्रशासन से मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में एवं जिन जगहो पर ताजिया रखी जाती है उन जगहो पर विषेष साफ सफाई, प्रकाश, पानी एवं नालियों में कीटनाशक दवॉइयों की छिडकाव करने की मांग की है।

सुरेंद्र दुबे का अंतिम संस्कार, कुमार विश्वास शामिल हुए

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हंसी की बारीक परतों में गंभीर बातें कहने वाले पद्मश्री हास्य कवि डॉ. सुरेन्द्र दुबे अब हमारे बीच नहीं हैं। गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। मारवाड़ी श्मशान घाट पर आज उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें कुमार विश्वास भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र दुबे का जाना प्रदेश की बड़ी क्षति है, वे छत्तीसगढ़ की बात दमदारी से रखते थे।

बता दें कि शब्दों के इस जादूगर के लिए एक 'अभिनंदन ग्रंथ' तैयार किया जा रहा था। जिसमें उनके जीवन, लेखनी, संघर्ष और स्मृतियों को सहेजने की कोशिश की जा रही थी। प्रकाशक सुधीर शर्मा ने बताया कि पिछले चार महीनों से इस ग्रंथ पर काम चल रहा था, जिसमें उनके पिता गर्जन सिंह दुबे, पुत्र डॉ. अभिषेक दुबे और खुद सुरेन्द्र दुबे की दुर्लभ रचनाएं, तस्वीरें और पत्र शामिल थे।

लेकिन किताब पूरी होने से पहले ही शब्दों का ये जादूगर इस दुनिया को अलविदा कह गया। अगले महीने किताब का विमोचन होना था।

रायपुर में 10वीं की छात्रा का चाकू-पत्थर से मर्डर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में एक हत्यारे ने 10 की छात्रा की बेरहमी से हत्या कर दी। चाकू और पत्थर से मारा है। नाबालिग के शरीर पर चाकू से गोदने और पत्थर से कुचलने के निशान हैं। मर्डर के वक्त खेत में घसीटने के भी निशान मिले हैं। मामला खरोरा थाना क्षेत्र के बेल्दार सिवनी गांव का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतिका का नाम मुस्कान धीवर (16) है, जो बेल्दार सिवनी के महामाया चौक की रहने वाली थी। वह 26 जून को दोपहर एक बजे से घर से लापता थी। 27 जून को सुबह 11 बजे गांव के पास खेत में लाश पड़ी हुई मिली है।

30 जून को साय कैबिनेट की बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ राज्य की सरकार 30 जून को कैबिनेट की बैठक करने जा रही है। ठीक 9 दिन पहले साय सरकार ने कैबिनेट की बैठक की थी। ये बैठक मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में होगी। सोमवार को होने वाली ये बैठक दोपहर 12.00 बजे अटल नगर नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में होगी।

ये बैठक प्रदेश में नए चीफ सेक्रेटरी और स्थाई डीजीपी की नियुक्ति की चर्चा के बीच हो रही है। माना जा रहा है बैठक में इसे लेकर चर्चा हो सकती है। इसके बाद सरकार नियुक्ति का आदेश जारी कर सकती है। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव (ष्टस्) अमिताभ जैन 30 जून को रिटायर हो रहे हैं।

पुलिस लिखी कार ने 3 लोगों को कुचला

2 की मौके पर मौत हो गई, एक गंभीर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में यूपी पासिंग पुलिस लिखी कार ने 3 लोगों को कुचल दिया, जिसमें 2 की मौके पर मौत हो गई। वहीं एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। कार में 6 लोग सवार थे। घायल को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला पंडरिया थाना क्षेत्र का है। इसके साथ ही महासमुंद जिले में ह्ला53 पर ट्रक ने बाइक सवार 2 दोस्तों को टक्कर मार दी। दोनों की मौके पर मौत हो गई। वहीं सरगुजा के मैनपाट क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से बाइक टकरा गई।

रीवा में गूंज महोत्सव की रही धूम आयोजन में अंतरराष्ट्रीय कलाकारों ने दिखाया अपना जौहर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। 30 दिवसीय कत्थक वर्कशॉप का समापनकृष्ण राजकपूर ऑडिटोरियम में 26 जून को भव्य रूप से हुआ। जिसमे लगभग 80 लोगों ने बढ चढ कर हिस्सा लिया, समापन अवसर पर प्रशिक्षण ले रहे इन सभी लोगों की शानदार प्रस्तुति देखने को मिली। उक्त कार्यक्रम का सफल बनाने मे कार्यक्रम आयोजक सीमा श्रीवास्तव, बादल बैरिहा, संध्या श्रीवास्तव, मनीषा दूबे, शिवाली सिंह और पूरे गूंज की टीम की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ आरती तिवारी ने किया।

दिल्ली से आईं पद्मविभूषण प. बिरजू महाराज जी की वरिष्ठ शिष्या और कत्थक नृत्यांगना गुरु श्रीमती मालती श्याम जी और बिरजु महाराज जी पौत्री कथक नृत्यांगना रागिनी महाराज जी की शानदार प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, दिल्ली से ही आई उनकी शिष्या हर्षिता शर्मा, डोलमा गुप्ता, श्रेष्ठा झखमोला ने भी शानदार प्रस्तुति दी और उनके शिष्य बादल बैरिहा की भी अति मनमोहक प्रस्तुति रही। तबला में संगत कर कार्यक्रम को सुशोभित करने के लिए आयोजनकर्ता ने योगेश गंगानी एवं पखावज वादक आशीष गंगानी का धन्यवाद ज्ञापित किया। शास्त्रीय गायक शमीउल्ला खान गायन तथा सारंगी मे पुनीत सिसोंदिया जी नगमा वादन से कार्यक्रम को सुशोभित किया, जिनका भी आयोजनकर्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। रीवा शहर मे हो रहे ऐतिहासिक कार्यक्रम मे शहर के गणमान्य जन उपस्थित रहे जिसमे मुख्य रूप से रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा, रीवा महाराज पुष्पराज सिंह, नगर निगम अध्यक्ष वेंकटेश पांडेय, साथ ही साथ विभू सूरी मनीष श्रीवास्तव वैभव दुबे विधायक प्रतिनिधि रीवा प्रकाश सोनी चिंटू बंशीलाल साहू अम्बर निगम सुरेश गुप्ता निक्की मोदनवाल नवीन गुप्ता अक्षय गुप्ता विनय साहू शेरा साहू प्रमोद साहू ऋतिक पांडेय अंशुमन गुप्ता विनय गुप्ता रावीज वर्मा श्रेया श्रीवास्तव वर्षा वर्मा पूरी गूंज टीम और भी कई गणमान्य जन उपस्थित रहे। लोगो ने इस कार्यक्रम को भरपूर प्यार दिया और उम्मीद जताई कि ऐसे शानदार कार्यक्रम उन्हें आगे भी देखने को मिलेंगे और इस कार्यक्रम के आयोजन में जिन जिन हमारे अग्रजो ने साथ दिया सभी का तहे दिल से बहुत-बहुत आभार हमें यही आशा है कि आगे भी हमें ऐसे ही आप सब का आशीर्वाद और प्यार मिलता रहेगा सहयोग मिलता रहेगा।

रीवा/सतना की खबरें

हिनौती गौधाम में गौवंश पशु शेड का भूमि पूजन आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनपद पंचायत गंगेव अन्तर्गत हिनौती गौधाम में 25 हजार गौवंश के संरक्षण संवर्धन के लिये 28 जून को शाम चार बजे हिनौती गौधाम में 4 गौवंश पशु शेड का भूमि पूजन जिला स्तरीय गौ सम्मेलन एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल होंगे। इस अवसर पर प्रमुख वक्ता कथा व्यास पीठ जगतगुरू संत स्वामी राघवाचार्य महराज अयोध्या होगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता संसद सदस्य जर्नादन मिश्र करेगें। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि विधायक मनगवां इन्जीनियर नरेन्द्र प्रजापति, नीता कोल जिला पंचायत अध्यक्ष, क्षेत्रीय कृषक एवं विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल, विकास तिवारी अध्यक्ष जनपद पंचायत गंगेव, नन्दनी हर्षवर्धन तिवारी अध्यक्ष जिला गौपालन समिति होगीं। जिला गौसंवर्धन बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की दृढ़ इच्छा शक्ति से पूरे विंध्य एवं रीवा जिले में गौवंश संरक्षण संवर्धन के साथ किसानों के फसल की सुरक्षा एवं आम नागरिक को सड़को के दुर्घटना से बचाने का महा अभियान चलाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के वाद हिनौती गौधाम में 25 हजार गौवंशों के रख रखाव हेतु तीव्रता से कार्य प्रारम्भ है। गौधाम में 4 हजार गौवंशों के संरक्षण हेतु चार शेड का भूमि पूजन होगा। हिनौतीधाम में करीब 15 सौ गौवंश के रख रखाव हेतु शेड के साथ भूसा-चार-पानी का पर्याप्त व्यवस्था शासन एवं जनसहयोग से किया जा रहा है। करीब एक हजार गौवंश के रहने हेतु शेड का कार्य प्रगति पर है।

जिले में अब तक 115.5 मिमी वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में 27 जून को 4.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक 115.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख महेन्द्र वास्तव ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 132.1 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 87.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 169 मिलीमीटर, सिरमौर में 169.6 मिलीमीटर, त्योंथर में 45 मिलीमीटर, सेमरिया में 150 मिलीमीटर, मनगवां में 97 मिलीमीटर तथा जवा में 74 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 33 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी।

दिव्यांगों और वरिष्ठ मतदाताओं की सहायता के लिए समिति गठित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की सहायता के लिए जिला स्तरीय और विधानसभावार समितियाँ गठित की गई हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल ने बताया कि दिव्यांग मतदाताओं तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए चुनाव प्रक्रिया को अधिक सरल और सुगम बनाने के उद्देश्य से समितियाँ गठित की गई हैं। जिला स्तरीय समिति का अध्यक्ष जिला निर्वाचन अधिकारी को बनाया गया है। समिति में सदस्य सचिव के रूप संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय को शामिल किया गया है। समिति में सदस्य के रूप में पंचायत समन्वय अधिकारी इन्द्रभान सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी तथा सेवानिवृत्त प्राचार्य श्यामनारायण शर्मा को शामिल किया गया है। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र 68 सिरमौर, 69 सेमरिया, 70 त्योंथर, 71 मऊगंज, 72 देवतालाब, 73 मनगवां, 74 रीवा और विधानसभा क्षेत्र 75 गुढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। इनमें सामाजिक सुरक्षा अधिकारी तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

अरहर, मूंग और उड़द में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसानों को अरहर, उड़द और मूंग की फसलों में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह दी है। उप संचालक ने कहा है कि सभी किसान अपने खेत की माटी की जाँच करा लें। इससे प्राप्त मृदा स्वास्थ्य कार्ड में खेत की माटी में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और कमी की जानकारी दर्ज रहती है। साथ ही उसमें फसल के अनुसार खाद के संतुलित उपयोग की भी मात्रा लिखी रहती है। उसी के अनुसार खाद का उपयोग करें। अधिक मात्रा में खाद का उपयोग किसान के लिए आर्थिक बोझ होने के साथ-साथ फसल और मिट्टी के लिए भी हानिकारक होता है। उप संचालक ने बताया कि अरहर की फसल के लिए प्रति हेक्टेयर 22 किलो यूरिया और दो बैग 9 किलो डीएपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में एक बैग 20 किलो यूरिया और 6 बैग 13 किलो सिंगल सुपर फास्फेट अथवा 25 किलो यूरिया और 3 बैग 5 किलो 12:32:16 खाद का उपयोग कर सकते हैं। इसके अन्य विकल्प के रूप में 30 किलो यूरिया, 4 बैग 13 किलो सिंगल सुपर फास्फेट और दो बैग 16:16:16 खाद का उपयोग भी किया जा सकता है। उप संचालक ने बताया कि मूंग और उड़द के लिए एक बैग 10 किलो डीएपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में 43 किलो यूरिया एवं 6 बैग 13 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग किया जा सकता है। इसके तीसरे विकल्प के रूप में तीन बैग 6 किलो 12:32:16 खाद अथवा तीन बैग 20:20:0:13 तथा 2 बैग 25 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग करें। इसके एक अन्य विकल्प के रूप में दो बैग 16:16:16 एवं 4 बैग 15 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग कर सकते हैं। फसलों में खाद के संतुलित उपयोग से ही अच्छी फसल प्राप्त होगी।

डाक विभाग जीवन बीमा के क्षेत्र में भी नित नए आयाम कर रहा है स्थापित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। डाक विभाग जीवन बीमा के क्षेत्र में भी एक लम्बे समय से कार्यरत है। एक फरवरी 1884 को आरम्भ डाक जीवन बीमा भारत में सरकारी व अर्द्ध सरकारी कर्मचारियों के लिए सबसे पुरानी बीमा योजना है। जिसका लाभ अब निजी क्षेत्र के प्रोफेशनल्स भी उठा सकते हैं। रीवा डाक संभाग के अधीक्षक आर.के. तिवारी बताया कि बीमा के क्षेत्र में भी डाक विभाग नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। डाकघरों में लोगों की आयु और आवश्यकता के आधार पर जीवन बीमा की योजनायें संचालित हैं। जिनमें सुरक्षा, संतोष, सुविधा, युगल सुरक्षा, सुमंगल व चिल्ड्रेन पालिसी शामिल हैं। बीमा आज के दौर की एक अनिवार्य आवश्यकता है एवं डाक विभाग अपने विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से सुदूर क्षेत्र में रह रहे लोगों को भी बीमित करने के लिए संकल्पित है। डाक विभाग ने नवीन टेक्नालॉजी अपनाते हुए कोर इंश्योरेंस सर्विस के तहत मैककेमिश सॉफ्टवेयर के माध्यम से बीमा सेवाओं को भी ऑनलाइन बनाया है। डाक जीवन बीमा योजना का दायरा भी बढ़ा दिया गया है। पहले मात्र सरकारी व अर्द्धसरकारी कर्मचारियों तक सीमित डाक जीवन बीमा अब निजी शिक्षण संस्थाओं, विद्यालयों, महाविद्यालयों आदि के कर्मचारियों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, प्रबंधन सलाहकारों, चार्टेड एकाउंटेंट, वास्तुकारों, वकीलों, बैंकर जैसे पेशेवरों के लिए भी उपलब्ध है। अधीक्षक ने जीवन बीमा के लाभ के बारे में बताया कि निवेश की सुरक्षा पर सरकार की गारंटी, धारा 80 के तहत आयकर में छूट, कम प्रीमियम व अधिक बोनस, पालिसी पर लोन की सुविधा, ऑनलाइन प्रीमियम जमा करने की सुविधा, देश के किसी भी डाकघर में प्रीमियम जमा करने की सुविधा और अग्रिम प्रीमियम पर छूट दी जाती है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ईव्हीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विभानसभा निर्वाचन 2023 तथा लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान में उपयोग की गई ईव्हीएम इंजीनियरिंग कालेज के समीप बनाए गए ईव्हीएम वेयर हाउस में सुरक्षित रखी गई हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार ईव्हीएम वेयरहाउस का प्रत्येक त्रैमास में निरीक्षण किया जाता है। इस क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर प्रतिभा पाल ने ईव्हीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले, प्रभारी अधिकारी ईव्हीएम तथा कार्यपालन यंत्री आदित्य सिंह, नोडल अधिकारी फैज मोइन सिद्दीकी उपस्थित रहे।

4 लाख से अधिक हितग्राहियों को स्व-रोजगार के लिये 3861 करोड़ रूपये का ऋण वितरित-मुयमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के साथ-साथ अब मध्यप्रदेश भी बदल रहा है। यहां विकास के सभी क्षेत्रों में नवाचार हो रहे हैं। हर क्षेत्र में निवेश का अच्छा माहौल बना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास का यह कारवां रूकेगा नहीं, बल्कि अब और तेज गति से आगे बढ़ेगा।

रतलाम पहले सेव, साड़ियों और सोने के लिए जाना जाता था लेकिन अब यही रतलाम स्किल, स्केल और स्टार्टअप्स के लिए जाना जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रतलाम की राइज कॉन्क्लेव में 30402 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 35 हजार 520 रोजगार का सृजन होगा। रतलाम का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। रतलाम की देश में केन्द्रीय स्थिति इसे और भी विशेष बनाती है। बहुत जल्द प्रदेश में एयर कार्गो के जरिए हवाई मार्ग से माल की आवाजाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य की बेहतरी और युवाओं को रोजगार देने के लिए हमारी सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी प्रदेश बनाने तक हमारी कोशिशें जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिये जहां से भी हो सकेगा, वहां से निवेश लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि निवेशकों

को प्रोत्साहित करने के लिए वे 29 जून को सूरत में रोड-शो करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रतलाम में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट (राईस) कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पूर्व स्थापित एमएसएमई इकाइयों द्वारा यदि केवल नवकरणीय संयंत्र की स्थापना के लिये पृथक से निवेश किया जाता है तो इन इकाइयों को भी नवकरणीय ऊर्जा संयंत्र में किये गये निवेश पर उद्योग विकास अनुदान की सहायता दी जायेगी।

पुरी में रथ यात्रा रुकी, आज फिर शुरू होगी

अहमदाबाद/पुरी (एजेंसी)। पुरी में शुक्रवार को शाम 4 बजे भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हो गई। सबसे पहले भगवान बलभद्र का रथ खींचा गया। इसके बाद सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ खींचे गए। पहले दिन बलभद्र का रथ 200 मीटर तक खींचा गया, सुभद्रा-भगवान जगन्नाथ के रथ भी कुछ दूरी तक खींचे गए। यहां रथ यात्रा के दौरान एक एंबुलेंस फंस गई थी। जिसे निकालने के लिए ह्यूमन चेन बनाई गई। रथ यात्रा अब अगले दिन शुरू होगी, क्योंकि सूर्यास्त के बाद रथ नहीं खींचे जाते। यह रथ यात्रा कल यानी शनिवार को 3 किमी दूर गुंडीचा मंदिर पहुंचेंगी। इसके बाद 9 दिन तक भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के यहां गुंडीचा मंदिर में ठहरेंगे। उनके साथ सुभद्रा और बलभद्र भी रहेंगे। 5 जुलाई को भगवान वापस मुख्य मंदिर लौट आएंगे। उधर, अहमदाबाद में रथ यात्रा अभी जारी है। जगन्नाथ मंदिर तक रथ यात्रा रात करीब 9 बजे पहुंचने का अनुमान है। यहां गृह मंत्री अमित शाह ने सुबह 4 बजे मंगल आरती की। इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रथ यात्रा की शुरुआत की।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश-जांच टीम में यूएन अफसर शामिल नहीं होगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान क्रैश की जांच टीम में संयुक्त राष्ट्र (ह्) के अधिकारी को शामिल नहीं किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की विमानन एजेंसी (इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन) ने भारत सरकार को अपने एक अधिकारी की मदद देने की पेशकश की थी। यह अधिकारी पहले से ही भारत में मौजूद था, लेकिन भारतीय अधिकारियों ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। इंडिया टुडे ने रिपोर्ट्स के हवाले से ये खबर दी है। वहीं, हादसे के बाद प्लेन का ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर कर लिया गया है। गुरुवार को सरकार ने बताया कि इसका डेटा डाउनलोड हो गया है। अहमदाबाद में हादसे में 241 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक यात्री की जान बच गई थी। वहीं, इस घटना में कुल 270 लोग मारे गए थे।

तेजस्वी बोले- चुनाव से पहले क्यों बना रहे वोटर लिस्ट

पटना (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को केंद्र और इलेक्शन कमिशन को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा- इलेक्शन कमीशन ने अचानक से कहा है कि जो वोटर लिस्ट बनी थी, उसे साइड कर दिया गया है। अब नई लिस्ट बनाई जाएगी, सवाल ये उठता है कि चुनाव से ठीक पहले आप वोटर लिस्ट क्यों बना रहे हैं। ये लोग चुनाव से पहले मतदाताओं की छंटनी करके सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाना चाहते हैं। क्या इतने कम दिनों में बिहार के सभी लोगों की वोटर लिस्ट बनेगा। तेजस्वी यादव ने आगे कहा- %सवाल ये है कि 22 सालों के बाद वोटर लिस्ट में विशेष जांच की क्या जरूरत आ पड़ी।

गुरुग्राम में होगा एक देश, एक विधायिका सम्मेलन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने जानकारी दी है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अगले महीने हरियाणा आ रहे हैं। वे 3 और 4 जुलाई को मानेसर में होने वाले एक बड़े सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। इस सम्मेलन में देशभर से 500 से अधिक डेलीगेट्स शामिल होंगे। इसकी सफलता के लिए अब तक 12 बैठकें हो चुकी हैं। इसमें लोकसभा, विभिन्न विधानसभाएं और जनसंपर्क विभाग की भी सहभागिता है। सम्मेलन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी मौजूद रहेंगे।

राहुल बोले- आरएसएस-बीजेपी को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा- आरएसएस और भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा- ये बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है। राहुल ने यह बात आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान के बाद कही, जिसमें उन्होंने कहा था- संविधान की प्रस्तावना में सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्दों को लेकर देश में खुली बहस होनी चाहिए। होसबाले 26 जून को दिल्ली में आयोजित 'आपातकाल के 50 साल' कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा- मूल संविधान में सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द नहीं थे। इमरजेंसी के समय देश में संसद और न्यायपालिका दोनों काम नहीं कर रही थी। इस दौरान इन दो शब्दों को जोड़ दिया गया। ये शब्द रहें या नहीं, इस पर बहस होनी चाहिए। होसबाले ने कांग्रेस और राहुल गांधी का नाम लिए बिना भी इमरजेंसी को लेकर निशाना साधा।

कोलकाता के लॉ कालेज में छात्रा से गैंगरेप

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में लॉ कॉलेज की स्टूडेंट से गैंगरेप मामले के 3 आरोपियों को कोर्ट ने शुक्रवार को 10 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया। पुलिस ने 26 जून को 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी शुक्रवार सुबह हुई। घटना 25 जून को हुई थी। पुलिस के मुताबिक, वारदात कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर के गार्ड रूम में हुई। आरोपियों में मोनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) शामिल हैं। मोनोजीत मुख्य आरोपी है और कॉलेज का पूर्व छात्र है। बाकी के दो 2कॉलेज के छात्र हैं। भाजपा ने मोनोजीत के तृणमूल कांग्रेस के छात्र संगठन से जुड़े होने का दावा किया। टीएमसी

ने इसे माना, लेकिन कहा कि मोनोजीत सक्रिय सदस्य नहीं है। पीड़ित ने एफआईआर में लिखाया है कि मोनोजीत ने शादी का ऑफर दिया था, लेकिन मैंने मना कर दिया था। जब आरोपियों ने मुझे गार्ड रूम में बंद किया तब मैंने उनके पैर पकड़कर बाहर जाने का बोला था। पुलिस की एफआईआर के मुताबिक, घटना साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज की है।

भाषा विवाद पर 5 जुलाई को उद्धव-राज की संयुक्त रैली

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे 5 जुलाई को मुंबई में संयुक्त रैली निकालेंगे। इससे पहले उद्धव ने 6 जुलाई और मनसे प्रमुख ने 7 जुलाई को रैली निकालने का ऐलान किया था। उधर, एनसीपी (शरद गुट) चीफ शरद पवार ने भी ठाकरे भाइयों को समर्थन दिया है। पवार ने कहा- महाराष्ट्र में कक्षा 1 से हिंदी अनिवार्य नहीं की जानी चाहिए। अगर कोई नई भाषा शुरू की जानी है तो उसे

कक्षा 5 के बाद ही शुरू किया जाना चाहिए। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने इसी साल अप्रैल में हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बना दिया था। विरोध के बाद उन्होंने फैसले में बदलाव किया। कक्षा 1 से 5वीं तक पढ़ने वाले स्टूडेंट्स तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी के अलावा भी दूसरी भारतीय भाषाएं चुन सकते हैं।

एससीओ जॉइंट स्टेटमेंट- राजनाथ का साइन नहीं, जयशंकर का समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (स्ष्ह्र) के संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने का समर्थन किया। जयशंकर ने बातचीत में कहा, एससीओ का एक देश चाहता था कि संयुक्त बयान में आतंकवाद का कोई जिक्र न हो। वो देश कौन है, आप अंदाजा लगा सकते हो। जबकि यह संगठन खुद आतंकवाद से लड़ने के उद्देश्य से बनाया गया था। जयशंकर ने कहा, भारत का यह कदम केवल एक कूटनीतिक विरोध नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सिद्धांतों की रक्षा का प्रतीक था। आतंकवाद और शांति एक साथ नहीं चल सकते। जयशंकर बोले- एक परिवार राष्ट्र से ऊपर, तब इमरजेंसी लगी जयशंकर शुक्रवार को दिल्ली में भारतीय जनता युवा मोर्चा की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

इस दौरान उन्होंने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर भी निशाना साधा। जयशंकर ने कहा- यह सब एक परिवार की वजह से हुआ। किस्सा कुर्सी का नाम की एक फिल्म है, और ये तीन शब्द आपातकाल लागू करने के पीछे की वजह को बखूबी बताते हैं।

केदारनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड, यात्री फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों में बारिश हो रही है। अब तक सामान्य से 12.3 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 26 जून तक देश में सामान्य रूप से 134.3 मिमी होनी चाहिए थी, लेकिन 146.6 एमएम हो चुकी है।

उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों को जंगल के वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित निकाल रही हैं। इस बीच देश में बारिश के चलते मौतों का आकड़ा भी बढ़ने लगा है। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 7 से ज्यादा लापता हैं। बुधवार को कुल्लू के 5 जगह- जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटे थे। वहीं, जम्मू-कश्मीर के राजौरी, पुंछ, डोडा और कठुआ जिलों में बादल फटने और तेज बारिश से आई बाढ़ में 2 बच्चों समेत 3 की मौत हो गई है। गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और नवसारी जिलों में बीते 2 दिन से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। सूरत के बाद अब अहमदाबाद में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घरों में पानी भर गया है।

पंजाब में बब्बर खालसा के 3 गुर्गे गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, मोहाली ने पाकिस्तानी आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। यह मॉड्यूल यूके में बैठे निशान सिंह और पाकिस्तान में छिपे आतंकी हरविंदर रिंदा द्वारा चलाया जा रहा था। पुलिस ने एक किशोर समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 2 हैंड ग्रेनेड, 1 ग्लॉक पिस्तौल, और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अमृतसर में पुलिस ठिकानों पर हमला और टारगेट किलिंग की योजना बना रहे थे। इनकी गिरफ्तारी से एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया है और कई लोगों की जान बच गई है, ऐसा पुलिस का दावा है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सहजपाल सिंह और विक्रमजीत सिंह के रूप में हुई है। दोनों अमृतसर ग्रामीण के रामदास के निवासी हैं।

विदेश में फंसे 4,200 से ज्यादा भारतीयों को सुरक्षित लाया गया वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में तनाव और अस्थिरता के बीच भारत सरकार ने एक बार फिर अपनी सूझबूझ और तेजी से लिए गए फैसलों की मिसाल पेश की है। ऑपरेशन सिंधु के नाम से शुरू किए गए इस विशेष अभियान में भारत ने ईरान और इजराइल जैसे संघर्षग्रस्त इलाकों से 4,244 से अधिक भारतीयों को सुरक्षित वापस अपने देश लाने में सफलता प्राप्त की है। 18 जून को शुरू हुआ यह ऑपरेशन उस समय शुरू किया गया जब मध्य

पूर्व में स्थिति तेजी से बिगड़ रही थी। भारत सरकार को अंदेशा था कि हालात और खराब हो सकते हैं, इसलिए उसने समय रहते कार्रवाई की। विदेश मंत्रालय ने तुरंत एक बहु-देशीय एयरलिफ्ट योजना पर काम शुरू किया और एक सटीक रणनीति के तहत भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की। ईरान में करीब 10,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनमें से 3,426 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला गया। इसके लिए भारत ने मशहद (ईरान), येरेवन (आर्मेनिया) और अश्गाबात (तुर्कमेनिस्तान) से कुल 14 विशेष उड़ानों की व्यवस्था की। इन उड़ानों के ज़रिए न केवल भारतीय नागरिकों को लाया गया बल्कि 11 ह्रष्टढ्ढ कार्डधारक, 9 नेपाली नागरिक, कई श्रीलंकाई नागरिक, और एक ईरानी नागरिक जो एक भारतीय से विवाहित है, को भी सुरक्षित निकाला गया।

दिशोम गुरू शिबू सोरेन की हालत चिंताजनक!

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य निर्माण आंदोलन के अग्रणी नेता शिबू सोरेन कुछ दिनों से दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती है। उनके साथ सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन भी मौजूद हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शिबू सोरेन की तबीयत में न कोई सुधार है और न ही कोई इंप्रूवमेंट है। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ है, जिससे उनके

शरीर के बाईं ओर पैरालिसिस हो गया है। वह पिछले 4 दिनों से वेंटिलेटर पर हैं। पिता की तबीयत को लेकर हेमंत सोरेन दिल्ली में ही है। वह राजधानी रांची के ऐतिहासिक रथ यात्रा में शामिल भी नहीं हुए।

गुजरात हाई कोर्ट से आसाराम को मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार, 27 जून को 2013 के रेप केस में दोषी और उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को गुजरात हाई कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। अदालत ने उसकी अस्थायी जमानत को 7 जुलाई 2025 तक के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला जस्टिस इलेश जे. वोरा और जस्टिस संदीप एन. भट्ट की खंडपीठ ने दिया। अदालत ने यह बढ़ोतरी आसाराम के वकील की ओर से याचिका में दस्तावेज दाखिल करने के लिए मांगे गए अतिरिक्त समय के आधार पर की। हाई कोर्ट ने इससे पहले 28 मार्च 2025 को आसाराम को तीन महीने की अस्थायी जमानत दी थी। यह जमानत उसकी स्वास्थ्य

स्थिति को ध्यान में रखते हुए दी गई थी। उस समय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत 30 जून को समाप्त हो रही थी।

अब जबकि 30 जून को यह अवधि खत्म हो रही थी, अदालत ने इसे 7 जुलाई तक बढ़ाने का निर्णय लिया। आसाराम के वकील ने अदालत से कुछ और दिन का समय मांगा ताकि वह याचिका में जरूरी दस्तावेज अदालत के रिकॉर्ड पर पेश कर सके। उन्होंने बताया कि 28 मार्च को कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के बाद जोधपुर जेल से रिहाई में करीब 10 दिन लग गए, और आसाराम को 7 अप्रैल को रिहा किया गया। इसलिए उन्होंने अदालत से दो दिन की अतिरिक्त मोहलत मांगी ताकि दस्तावेजों को समय पर दाखिल किया जा सके और प्रतिवादी पक्ष उन्हें जांच सके। अदालत ने अपने आदेश में कहा, मौजूदा मामले के विशेष तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, खासकर नालसा से प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया के चलते, हम अस्थायी जमानत की अवधि 7 जुलाई तक बढ़ा रहे हैं।% अब इस मामले में अगली सुनवाई 2 जुलाई 2025 को होनी है।

सीजेआई बोले- जज होना 9 से 5 की नौकरी नहीं

नागपुर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई का कहना है कि एक जज अकेले काम नहीं कर सकता है। जज होना नौ से पांच की नौकरी नहीं है। यह राष्ट्र की सेवा है, लेकिन यह एक कठिन काम भी है। सीजेआई गवई छत्रपति संभाजी नगर में बॉम्बे हाई कोर्ट, औरंगाबाद बेंच की एडवोकेट यूनियन की तरफ से रखे गए अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को सभी जजों के सर्वोच्च न्यायालय के रूप में काम करना चाहिए, न कि केवल भारत के मुख्य न्यायाधीश के, इसलिए सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए जाने चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने गुरुवार को कहा कि वे महाराष्ट्र के कोल्हापुर में बॉम्बे हाई कोर्ट की बेंच स्थापित करने की मांग का समर्थन करते हैं। न्याय हर नागरिक को हर कोने में उपलब्ध होना चाहिए।

बॉम्बे हाई कोर्ट में वर्तमान में मुंबई की मेन बेंच के अलावा गोवा, औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) और नागपुर में सर्किट बेंच हैं। जस्टिस गवई बोले- एक जज को समाज में घुलना-मिलना चाहिए। इससे समाज की समस्याओं व प्रश्नों को समझा जा सकता है और न्याय के माध्यम से उनका समाधान किया जा सकता है। सीजेआई ने कहा- जब भी हाईकोर्ट की कोल्हापुर बेंच की मांग की गई है, मैंने समर्थन किया। औरंगाबाद बेंच का उदाहरण दिया है। औरंगाबाद बेंच में बॉम्बे बेंच की तुलना में ज्यादा मामले दायर किए जाते हैं। हर सुनवाई के लिए हर किसी के लिए बॉम्बे (मुंबई) आना आर्थिक रूप से संभव नहीं है। हर नागरिक को हर कोने में बिना ज्यादा समय और पैसा खर्च किए न्याय मिलना चाहिए। जस्टिस गवई ने यह भी कहा कि केवल कानून की चौखट में रहकर न्याय देना संभव नहीं होता, सामाजिक पहलुओं का भी ध्यान रखना होता है। इसी कारण हम कॉलेजियम के जरिए योग्यता के आधार पर जजों की नियुक्ति पर जोर दे रहे हैं। उम्मीदवार की जाति, धर्म या सामाजिक पृष्ठभूमि चयन के मानदंड नहीं हो सकते।

संक्षिप्त समाचार

रुपया शुरुआती कारोबार में 23 पैसे बढ़कर 85.49 डॉलर पर खुला

मुंबई (एजेंसी)। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के मजबूत निवेश और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 23 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.49 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और डॉलर के थोड़ा मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त हालांकि थोड़ी थम गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.50 पर खुला। फिर 85.49 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.72 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.24 पर आ गया।

वैभव के बाद उभरा एक और नया सितारा हरवंश पंगालिया

मुम्बई (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी के बाद अब एक और भविष्य का नया सितारा उभर रहा है। ये है बल्लेबाज हरवंश पंगालिया। हरवंश ने इंग्लैंड दौरे में यंग लॉयन्स के खिलाफ अपनी पारी से सभी को हैरान कर दिया है। हरवंश की बल्लेबाजी से ही भारतीय अंडर-15 टीम ये मैच जीतने में सफल भी रही। लफबरो में खेले गए इस वनडे मुकाबले में जब कप्तान आयुष म्हात्रे 1 और वैभव 17 रन ही बना सके। तो ऐसे समय में हरवंश ने आक्रामक बल्लेबाजी कर नाबाद 103 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने 52 गेंद की अपनी पारी में 8 चौके, 9 छक्के लगाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड यंग लॉयन्स के गेंदबाजों की लय बिगड़ गयी। हरवंश की इस पारी से साफ हो गया है कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हरवंश के पिता एक ट्रक ड्राइवर हैं और उनका परिवार अब कनाडा में रह रहा है। हरवंश के अलावा इस मैच में राहुल कुमार ने 73 रन, कनिष्क चौहान ने 79 रन और आर.एस. अम्बरीश ने 72 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी में दीपेश देवेन्द्रन ने 3 विकेट लिए नमन पुष्पक और विहान मल्होत्रा ने 2-2 विकेट लिए।

शेयर बाजार मे रही मामूली बढ्त, सेंसेक्स 200 अंक बढ़कर 83,980 पर, निटी 25,600 पर

मुंबई (एजेंसी)। वैश्विक बाजारों से पॉजिटिव रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को मामूली बढ़त के साथ लगभग सपाट स्तर पर खुले। बीएसई सेंसेक्स में बढ़त दर्ज की गई और शुरुआती कारोबार में यह 200 से ज्यादा अंक बढ़कर 83,985 के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी टैरिफ की समयसीमा में संभावित ढील की उम्मीद के चलते यह बढ़त दर्ज की गई। वहीं आज कई कारक शेयर बाजार की चाल की तय करंगे। इनमें ग्लोबल मार्केटस के संकेत, अमेरिका में टैरिफ को लेकर अनिश्चितता, प्राथमिक बाजार में गतिविधि, मिडिल ईस्ट में तनाव, साथ ही विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े और संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां शामिल हैं। सेक्टोरल मोर्चे पर 13 प्रमुख सेक्टर्स में से 12 में तेजी आई। ब्रोडर स्मॉल-कैप और मिड-कैप में लगभग 0.4 फीसदी की वृद्धि हुई। मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने के कारण पिछले तीन ट्रेडिंग सेशन के दौरान निफ्टी और बीएसई सेंसेक्स में लगभग 2.3त्न की वृद्धि हुई है।

विदेशी पूंजी प्रवाह के प्रति आशावाद और पॉजिटिव वैश्विक धारणा के कारण पिछले तीन सेशन में देखी गई मजबूत बढ़त आज भी जारी रही। एशियाई बाजार- एशियाई बाजार में शुक्रवार को मजबूती के साथ कारोबार देखा जा रहा है। इसका कारण अमेरिका से मिले सकारात्मक संकेत रहे, जहां व्हाइट हाउस ने टैरिफ (आयात शुल्क) की समय-सीमा को लेकर नरम रुख दिखाया है। इससे निवेशकों को बड़ी राहत मिली है। जापान का निक्केई 1.22 फीसदी चढ़ा, जो पिछले पांच महीनों के उच्चतम स्तर को और मजबूत कर रहा है। टॉपिक्स इंडेक्स में भी 1.1 फीसदी की तेजी देखी गई। टोक्यो में कोर कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स जून में सालाना आधार पर 3.1 फीसदी बढ़ा, जो मई के 3.6 फीसदी और अनुमानित 3.3 फीसदी से नीचे रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 भी 0.4 फीसदी की बढ़त में रहे। अमेरिकी बाजार- अमेरिका में गुरुवार को शेयर बाजारों में जोरदार तेजी रही।

एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.8 फीसदी चढ़कर 6,141.02 पर बंद हुआ और अब वह फरवरी में बने अपने ऑल-टाइम हाई 6,147.43 के बेहद करीब है। नेस्डेक कम्पोजिट 0.97 फीसदी चढ़कर 20,167.91 पर बंद हुआ, जबकि डाउ जोंस में 404.41 अंकों की बढ़त रही और यह 43,386.84 पर बंद हुआ। हालांकि, अमेरिका की अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बनी हुई है। 2025 की पहली तिमाही में अमेरिका की जीडीपी सालाना आधार पर 0.5 फीसदी घटी है, जो पहले के 0.2 फीसदी के अनुमान से ज्यादा है। यह गिरावट मुख्य रूप से उपभोक्ता खर्च में कमी और निर्यात के आंकड़ों में बड़ी गिरावट की वजह से आई है।

सोना 97 हजार से नीचे फिसला, चांदी भी फिसलकर 1,06,300 रुपए किलो

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से देश के बाजारों में भी सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सुस्ती देखने को मिल रही है। शुक्रवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने के भाव 96,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 826 रुपये की गिरावट के साथ 96,261 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,087 रुपये था। इस समय यह 905 रुपये की गिरावट के साथ 96,182 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 126 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,629 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,06,755 रुपये था। इस समय यह 404 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,351 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,0,6,629 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,0,6,286 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,341.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,348 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 29.40 डॉलर की गिरावट के साथ 3,318.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ऋषभ पंत की बल्लेबाजी से प्रभावित हुए ग्रेग चैपल

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रहे ग्रेग चैपल ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। चैपल लीड्स में खेली ऋषभ की शतकीय पारियों से हैरान है। चैपल ने कहा कि इस बल्लेबाज ने ऐसे शॉट खेले जो क्रिकेट की किताब में तक नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये बल्लेबाज खेल को एक नया अंदाज दे रहा है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 178 गेंदों पर 134 जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाये थे। उन्होंने इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बनाए। चैपल ने कहा कि वह ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो 'एमसीसी प्लेइंग मैनुअल' में भी नहीं हैं। साथ ही कहा, 'जब मैंने पहली बार उसे देखा तो मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद आ गयी हालांकि वह एक अलग तरह का खिलाड़ी है। जब एक विकेटकीपर बेहतरीन बल्लेबाजी करता है और तेजी से रन बनाता है तो यह टीम के लिए बड़ा अंतर पैदा कर सकता है.' चैपल ने कहा, 'सबसे बड़ी खूबी ये है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाता है जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उसका प्रदर्शन शानदार था। उसने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे। वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहा है। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे। उसे देखना रोमांचक है अनुभव है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि कोई कभी नहीं जान सकता कि वह कब क्या कर सकता है। चैपल ने कहा, 'आप कभी नहीं जानते कि पहली गेंद से उससे क्या उम्मीद की जाए। किसी भी स्तर पर वह तेज गेंदबाजों के लिए खिलाफ आगे बढ़कर या गिरते हुए रैंप शॉट खेल सकता है।' चैपल ने कहा, 'आप कभी नहीं जानते कि क्या उम्मीद करनी है। इससे विपक्षी टीम सतर्क रहती है।

हेड के कैच को लेकर उठे सवाल अंपायर ने नॉट आउट दिया

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में ट्रेविस हैड के कैच को लेकर विवाद हो गया। वेस्टइंडीज टीम ने हेड के आउट होने की अपील की पर तीसरे अंपायर ने उन्हें नॉटआउट करार दिया। हेड ने कहा कि वह आउट नहीं थे। इस मामले में मैदानी अंपायर ने फैसला टीवी अंपायर पर छोड़ दिया, टीवी अंपायर ने हेड को नॉटआउट करार दिया जबकि इसके वीडियों में वह आउट लग रहे थे। हेड ने इस मैच में शमर जोसेफ की गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास किया पर गेंद सीधे ही विकेटकीपर बल्लेबाज शाई होप के हाथों में चली गई। गेंदबाज की अपील पर मैदानी अंपायर नितिन मेनन ने मामला तीसरे अंपायर को सौंप दिया। तीसरे अंपायर ने पाया कि गेंद बल्ले पर आई थी। पहली तस्वीर में जब गेंद

नीचे जा रही थी तो विकेटकीपर के दस्ताने उसके नीचे थे। यहां तक कि जब जूम करके देखा गया गेंद के नीचे ग्लव्स नहीं है। वहीं तीसेर अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने कहा कि गेंद बल्ले से लगकर सीधे विकेटकीपर के पास गयी है। तीसरे अंपायर ने संदेह का लाभ देते हुए बल्लेबाज को नाटआउट करार दिया। इस कैच का सिर्फ एक ही एंगल ब्रॉडकास्टर्स के पास था। दूसरा ये कि विकेटकीपर ने कैच को लेकर अपील नहीं की जिससे हेड बचे गये।

मांजरेकर और पनेसर बोले, शार्दुल की जगह कुलदीप को शामिल करें

लीड्स (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर के साथ ही इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि भारतीय टीम को बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की जगह चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये। मांजरेकर का मानना है कि शार्दुल का प्रदर्शन पहले टेस्ट में अच्छा नहीं रहा। वहीं कुलदीप दूसरे मैच में उपयोग साबित हो सकते हैं क्योंकि उनकी गेंदबाजी में विविधता है। लीड्स में जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाज प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाये। मांजरेकर ने कहा, मुझे लगता है कि कुलदीप को टीम में जगह मिलनी चाहिये। मुझे यह कहते हुए दुख है पर शार्दुल को बाहर जाना होगा। यह एक बदलाव है जो भारत को करना होगा। नितीश कुमार रेड्डी ऑस्ट्रेलिया में उनके प्रदर्शन के आधार पर पहले टेस्ट के लिए रखा गया था पर अंत में

शार्दुल को जगह मिल गयी। वहीं इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने भी टीम में बदलाव की जरुरत बतायी। पनेसर ने कहा, ''एजबेस्टन में भारत रविंद्र जडेजा के साथ अंतिम एकादश में कुलदीप यादव को एक्स फैक्टर के रूप में टीम में शामिल कर सकता है। इसका कारण ये है कि एजबेस्टन का विकेट थोड़ा टर्न लेता है। ऐसे में मुझे लगता है कि कुलदीप को रखना अच्छा रहेगा। हमने आईपीएल के दौरान देखा कि विकेट से खास टर्न नहीं मिलने के बाद भी उसने बल्लेबाजों को परेशानी में डाला था।'' पनेसर ने साथ ही कहा, ''अगर शार्दुल ठाकुर केवल छह से आठ ओवर ही गेंदबाजी करेंगे और पूरे दिन में 15 ओवर भी नहीं कर पाएंगे तो उन्हें टीम में रखने का कोई मतलब नहीं है। मुझे लगता है कि उन्हें कुलदीप को टीम में रखने की जरूरत है, क्योंकि उनमें एक्स फैक्टर ज्यादा है। उनमें कुछ खास बात है। वहीं अगर आपको टीम में एक ही स्पिनर रखना है तो फिर जडेजा की जगह कुलदीप को अंतिम एकादश में रखना चाहिए।''

आईसीसी ने क्रिकेट में बदले ये नियम

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (आईसीसी) ने क्रिकेट में कई बदलाव करते हुए नये नियम लागू कर दिये हैं। इसमें स्टॉप क्लॉक से डीआरएस और नो बॉल से शॉर्ट रन तक के नियम हैं। आईसीसीस ने ये बदलाव इसलिए किये हैं जिससे कि खेल का रोमांच लौटे। वहीं बाउंड्री लॉ और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35वें ओवर के बाद एक ही गेंद से गेंदबाजी करना शामिल है। कुछ नियम 17 जून से शुरू हुई नई डब्ल्यूटीसी साइकल में लागू हो गए हैं। वहीं इसके अलावा 2 जुलाई से कुछ और नियम लागू होने वाले हैं, जिनमें टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक, लार पर प्रतिबंद रहेगा और गेंद नहीं बदली जाएगी। इसके अलावा डीआरएस से जुड़े कुछ नियम बदलने वाले हैं। नई खेल नियमों का खाका भी आईसीसी ने हाल ही में अपने सदस्य देशों को भेजा है। गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध जारी है, लेकिन आईसीसी ने कहा है कि अब अंपायरों के लिए गेंद पर लार पाए जाने पर गेंद को बदलना अनिवार्य नहीं है। यह बदलाव ऐसी स्थिति से बचने के लिए किया गया है, जहां गेंद को बदलने की कोशिश करने वाली टीमें जानबूझकर उस पर लार लगाती हैं। इसलिए आगे चलकर, अंपायर केवल तभी गेंद को बदलेंगे, जब उसकी कंडीशन में बहुत ज्यादा बदलाव हुआ हो - जैसे कि अगर वह बहुत गीली दिखाई दे या उसमें ज्यादा चमक हो। यह पूरी तरह से अंपायरों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। साथ ही, अगर अंपायरों के यह कहने के बाद भी कि लार के इस्तेमाल से गेंद की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है, गेंद में कुछ बदलाव होने लगे, तो उसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि, बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन दिए जाएंगे। उदाहरण के तौर पर - एक बल्लेबाज को कैच आउट करार दिया गया है और वह रिव्यू के लिए कहता है। अल्ट्राएज दिखाता है कि गेंद वास्तव में बल्ले से नहीं लगी और सीधी पैड से टकराई है। इस केस में बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो टीवी अंपायर अब तक आउट होने के दूसरे तरीके की जांच करता है और बॉल-ट्रैकिंग के माध्यम से यह सत्यापित करने की कोशिश करता है कि बल्लेबाज एलबीडब्ल्यू है या नहीं। अब तक इस तरह के रिव्यू के दौरान प्रोटोकॉल यह था कि एक बार यह निर्धारित हो जाने के बाद कि बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो आउट होने के दूसरे तरीके यानी एलबीडब्ल्यू के लिए डिफॉल्ट निर्णय नॉट आउट होता था। इसका मतलब है कि अगर बॉल-ट्रैकिंग से अंपायर्स कॉल आता है, तो बल्लेबाज नॉट आउट ही रहेगा, लेकिन अपडेट किए गए नियमों के तहत जब एलबीडब्ल्यू के लिए बॉल-ट्रैकिंग ग्राफिक प्रदर्शित किया जाता है, तो उस पर ऑरिजनल डिसिजन लेबल आउट लिखा होगा और अगर समीक्षा में अंपायर का फैसला आता है, तो बल्लेबाज आउट हो जाएगा। सफेद गेंद प्रारुप में स्टॉप क्लॉक शुरू हुए एक साल का समय हो चुका है। आईसीसी ने इस नियम को टेस्ट क्रिकेट में भी शुरू करने का फैसला किया है, क्योंकि इस फॉर्मेट में धीमी ओवर गति लंबे समय से एक समस्या बना हुआ है। नियम के अनुसार, गेंदबाजी करने वाली टीम को पिछले ओवर के खत्म होने के एक मिनट के भीतर ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसा ना करने पर उन्हें अंपायरों से दो वॉर्निंग मिलेंगी। तीसरी बार मे अंपायर गेंदबाजी करने वाली टीम पर पांच रनों की पेनल्टी लगाएंगे। 80 ओवर के प्रत्येक ब्लॉक के बाद वॉर्निंग फिर से शुरू होगी। ओवर की आखिरी गेंद के प्ले से बाहर जाते ही स्कीन पर उल्टी गिनती 60,59,58...3,2,1 शुरू होगी। यह नियम 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनपशिप चक्र से लागू हो गया है । आईसीसी ने अंपायर और खिलाड़ी दोनों के रेफरल को शामिल करते हुए कंबाइड रिव्यू के दौरान निर्णय की प्रक्रिया को संशोधित करने का भी निर्णय लिया है। आईसीसी ने फैसला किया है कि एक के बाद एक यानी क्रॉनोलॉजिकल ऑर्डर में रिव्यू होगा। अब तक, संयुक्त समीक्षा के दौरान टीवी अंपायर खिलाड़ी की समीक्षा पर जाने से पहले अंपायर रिव्यू लेता था।

संशोधित आईसीसी खेल शर्तों में नियम 3.9 कहता है, यदि पहली घटना से यह निष्कर्ष निकलता है कि बल्लेबाज आउट हो गया है, तो उस समय गेंद को डेड माना जाएगा, जिससे दूसरी घटना की जांच अनावश्यक हो जाएगी। इसलिए यदि एलबीडब्लू के साथ-साथ रन आउट की अपील होती है, तो टीवी अंपायर अब पहले लेग-बिफोर का रिव्यू लेगा, क्योंकि वह पहले हुई थी। यदि बल्लेबाज आउट हो जाता है, तो गेंद को डेड घोषित कर दिया जाएगा।

आर्चर को दूसरे टेस्ट में उतारे जाने के पक्ष में नहीं वॉन और फारब्रेस

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और ससेक्स के कोच पॉल फारब्रेस ने कहा है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को अभी कुछ अभ्यास मैच खेलने दें और दूसरे ही टेस्ट में न उतारें। आर्चर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर है ऐसे में उन्हें एकदम से उतारना ठीक नहीं है। आर्चर ने चार साल बाद डरहम के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिए खेलते हुए 18 ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया जिसके बाद से ही ये अटकलें हैं कि उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए टीम में जगह मिल सकती है। इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने हाल ही में संकेत दिया था कि आर्चर 2 जुलाई से एजबेस्टन में होने वाले भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। वहीं वॉन ने कहा, 'चार साल बाद लंबे फॉर्मेट में लौटे खिलाड़ी को एक ही मैच के आधार पर टेस्ट में नहीं रखा जा सकता। वॉन ने सुझाव दिया कि आर्चर को एक और चार दिवसीय मैच खेलने देना चाहिए जिससे वे लय में लौटें। वॉन ने जोड़ा, 'डरहम के खिलाफ उन्होंने ठीक गेंदबाजी की, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की तीव्रता काउंटी मुकाबलों से बिल्कुल अलग होती है।' ससेक्स के कोच फारब्रेस भी वॉन से सहमत है। उन्होंने भी चयनकर्ताओं से कहा,

'मेरी सलाह होगी कि आर्चर को तीसरे टेस्ट के लिए संभाल कर रखा जाए। उन्होंने कहा कि आर्चर ने अब तक सिर्फ 18 ओवर फेंके हैं और ऐसे में सीधे टेस्ट क्रिकेट में उतरना जोखिम भरा हो सकता है। फारब्रेस ने यह भी कहा कि आर्चर की लय शानदार है और उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की, लेकिन लगातार खेलने की आदत और मैच फिटनेस के लिए थोड़ा और समय देना जरूरी है।' उन्होंने यह भी कहा कि हेडिंग्ले टेस्ट जीतने के बाद इंग्लैंड को अपने गेंदबाजी आक्रमण में छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए और क्रिस वोक्स जैसे अनुभवी खिलाड़ी को एजबेस्टन टेस्ट में बनाए रखना चाहिए।

डब्ल्यूडब्ल्य ई नहीं बदलेगा कोडी रोड्स का कोडी रोड्स थीम सॉन्ग

सेन डियागो (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्ल्यू ई के पूर्व चैम्पियान चैंपियन कोडी रोड्स एक बार फिर इसमें विजेता बनना चाहते हैं। वहीं डब्ल्यूडब्ल्य ई कई बदलाव करने जा रहा है। इसमें प्रवेश के समय बजाये जाने वाले थीम सॉन्ग किंगडम में भी बदलाव हो सकता है पर इसमें कोडी रोड्स के थीम सॉन्ग को नहीं बदला जा सकता है। इसको गाने वाले शॉन रॉस सैप ने भी इसकी पुष्टि की है। सैप ने कहा कि कोडी रोड्स का यह सिग्नेचर थीम सॉन्ग बना रहेगा। सैप ने साफ किया कि कंपनी में रोड्स की मौजूदा स्थिति को देखते हुए ऐसा होने की संभावना नहीं है। सैप ने कहा, मुझे लगता है कि रोड्स के पास इतनी क्षमता है कि वह इससे बच सकता है। यह उसके परफॉर्मेंस और डब्ल्यूडब्ल्य ई के प्रदर्शन का एक अहम हिस्सा है। आप वहां जाना चाहते हैं और आप गाना सुनना चाहते हैं, यह सब अच्छा है। मुझे लगता है कि यह बहुत बुरा होगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर रोड्स खुद इसे बदलना चाहें तो यह अलग बात है पर इसके लिए कोई उनहें मजबूर नहीं करेगा ओर न ही ऐसी कोई संभावना है। रोड्स ने पहले अपने थीम सॉन्ग किंगडम को बदलने का विचार रखा था। वह चाहते थे कि उनकी बेटी लिबर्टी फेमस लाइन रेसलिंग हेज मोर देन वन रॉयल फैमिली को फिर से रिकॉर्ड करे जिससे कि गाने में उनकी भावनाएं शामिल हो।

रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली इस पारी को मानते हैं अपनी सबसे अच्छी पारी

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप में एक से बढ़कर एक पारियां खेलकर अब तक 8 शतक लगाये हैं पर रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 विश्वकप 2024 में खेली अपनी 92 रनों की पारी को इस प्रारुप की अपनी सबसे अच्छी पारी मानते हैं। उस मैच में रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के घातक गेंदबाज मिचेल स्टार्क की गेंदों पर भी जमकर चौके और छक्के लगाये थे। उस मैच में कोई गेंदबाज रोहित के कोप से बच नहीं पाया था। रोहित की 92 रनों की पारी से भारतीय टीम ने 205 रन बनाये थे जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम 181 रनों पर ही सिमट गयी थी। रोहित ने कहा, टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की पारी मेरी अब तक की सर्वश्रेष्ठ टी20 पारी है। उन्होंने साथ ही कहा, जब मैं 2024 टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के लिए उतरा, तो मेरे दिमाग में बस यही था कि मुझे किसी तरह स्कोर करना है, मुझे उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना है और रन बनाना है। इसी कारण मैं हर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज के खिलाफ आक्रमण करना चाहता था। ऑस्ट्रेलिया ने 2023 विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम को हराकर करोड़ों प्रशंसकों को निराशा में झौंक दिया था। उसी हार का ये बदला था। रोहि ने 2023 विश्वकप को याद करते हुए कहा, ऑस्ट्रेलिया ने 19 नवंबर को एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में हमारा और पूरे देश का दिन खराब कर दिया था, इसलिए हमें भी हिसाब बराबर करना था। ड्रेसिंग रूम में इस तरह की बातें होती हैं। हमारे दिमाग में यह बात थी कि अगर हम यह मैच जीत गए तो ऑस्ट्रेलिया इस टी20 विश्व कप से बाहर हो जाएगा। भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्वकप जीता था।

जडेजा का करियर भी समाप्त होता नजर आ रहा

मुम्बई (एजेंसी)। रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बाद अब लगता है कि स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का टेस्ट करियर भी समाप्त हो सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में जिस प्रकार करुण नायर की वापसी हुई है और साई सुदर्शन ने डेब्यू किया है। उससे अब जडेजा के लिए जगह बनना कठिन होता जा रहा है। विदेश दौरे पर आम तौर पर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में एक ही स्पिनर होता है। ऐसे में जडेजा को कुलदीप यादव से कड़ी टक्कर मिल रही है। पहले टेस्ट में जडेजा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इससे ऐसा लगता है कि ये उनका अंतिम विदेश दौरा हो सकता है। जडेजा अभी टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज और सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर है पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं रही है। वह पहले टेस्ट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही असफल रहे। उन्होंने पहली पारी में 11 और दूसरी में नाबाद 25 रन बनाए। गेंदबाजी में उन्हें सिर्फ दूसरी पारी में एक विकेट मिला। ऐसे में कहा जा रहा है अगर पहले टेस्ट मैच में जडेजा की जगह कुलदीप होते तो भारतीय गेंदबाज हावी रहते। जडेजा टीम इंडिया के एकमात्र खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका टेस्ट करियर 15 साल से अधिक पुराना हो गया हे। उनकी उम्र भी 36 के करीब है। वह एके बेहतरीन क्षेत्ररक्षक रहे हैं पर वहां भी वह असफल रहे।

रीजनल इंडस्ट्री स्किल एण्ड इम्पलायमेंट कॉन्क्लेव में हुआ 56 करोड़ ऋण वितरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में रीजनल इंडस्ट्री स्किल एवं इम्प्लायमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के रतलाम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह से उद्बोधन का सजीव प्रसारण दिखाया गया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने रीवा के दो सफल उद्यमियों फोर्टिफाइड चावल बनाने वाले दिनेश गुप्ता तथा सीमेंट बैग एवं टेक्सटाइल यूनिट चलाने वाले जयराम खन्ना से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने दोनों उद्यमियों के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सागर, पीथमपुर, अलीराजपुर के भी सफल उद्यमियों से संवाद किया।

एमएसएमई विभाग तथा उद्योग विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शासन की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को 56 करोड़ रुपए की ऋण और अनुदान राशि का वितरण किया गया। इस अवसर पर सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए स्वरोजगारियों को प्रोत्साहित किया है। जिले में लघु एवं मध्यम उद्योगों को चलाने वाले तथा स्वसहायता समूह बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं। स्वनिधि योजना के हितग्राही, स्वसहायता समूह की महिलाएं तथा छोटे उद्यमी जिम्मेदारी से अपना लोन चुकाते हैं। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर ऋण राशि का सही उपयोग करें। अपने उद्यम का जिम्मेदारी से संचालन करते हुए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। अपने साथ-साथ अन्य लोगों को भी रोजगार का अवसर दें। प्रशासन और बैंक आपकी पूरी मदद कर रहे हैं। पूरे देश में लघु और मध्यम उद्योगों की भागीदारी 33 प्रतिशत से अधिक है।

समारोह में विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि रीवा में लघु उद्यमी तथा महिला स्वसहायता समूह बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं। उनकी सफलता की कहानियाँ सबके लिए प्रेरक हैं। प्रदेश के विकास और रीवा की उन्नति में महिलाएं सराहनीय योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार एमएसएमई तथा उद्योग विभाग की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को आज एक मंच पर लेकर आने का अवसर मिला है। आप सब एक-दूसरे से संवाद करके सफलता के मंत्र साझा करें। जिले में कई महिला स्वसहायता समूह बहुत अच्छा कार्य कर रही हैं। इनके माध्यम से महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ जागरूकता और आत्मविश्वास की भी सौगात मिली है। कार्यक्रम में महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र जेपी तिवारी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि आज विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को 56 करोड़ की ऋण राशि वितरित की जा रही है। जिले के औद्योगिक केन्द्र घूमा का मुख्यमंत्री जी ने वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया है। यहाँ औद्योगिक इकाईयों के लिए मूलभूत सुविधाओं का विकास तेजी से किया जा रहा है। यहाँ से कई इकाईयाँ स्थापित हो जाएंगी।

कॉन्क्लेव में महिला स्वसहायता समूहों तथा लघु उद्यमियों ने अपने सफलता के अनुभव बांटे। कार्यक्रम में सफल उद्यमी राखी सिंह, प्रशस्ति पाण्डेय, शिवकुमार सोनी, गुलशन साकेत, प्रहलाद सिंह, दिलीप तिवारी, राजीव सोनी, योगेन्द्र मिश्रा, श्वेता पाण्डेय, विजय द्विवेदी, सौरभ पटेल, कृष्णा तिवारी, सीता यादव, रेशमा बानो, रूपा विश्वकर्मा, गीता त्रिपाठी, तारावती चौधरी तथा अन्य उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, जिला पंचायत सदस्य तथा उद्योग एवं सहकारिता समिति की अध्यक्ष डॉ संगीता सोनल शर्मा, जिला पंचायत सदस्य देवेन्द्र शुक्ला, क्षेत्रीय संचालक एमपीआईडीसी यूके तिवारी, एलडीएम जगमोहन, स्वरोजगार योजनाओं से जुड़े अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्वरोजगारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

सतना में खेत की मेड़ विवाद में मारपीट, युवक की मौत

परिजनों ने शव रखकर किया प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के खड़ौरी गांव में गुरुवार को खेत की मेड़ को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने आक्रोशित होकर कोठी-सिंहपुर मार्ग पर शव रखकर 7 घंटे तक प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर दी। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी, उनके घर गिराने, 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और निजी तालाब को सरकारी घोषित करने की मांग की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए चित्रकूट एसडी ओपी रोहित राठौर, जैतवारा टीआई अभिषेक पांडेय और कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। रघुराज नगर एसडी एम राहुल सिलाडिया ने भी स्थिति का जायज़ा लिया। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। विवाद का कारण बनी खेत की मेड़ को जेसीबी से हटाया गया और तालाब के रास्ते का अतिक्रमण भी हटाया गया। सरकारी योजनाओं के लाभ का आश्वासन मिलने के बाद परिजनों ने रात 10 बजे प्रदर्शन समाप्त किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और मार्ग पर आवागमन बहाल हुआ।

सतना के रेस्तरां में इडली-सांभर के साथ परोसी गई छिपकली!

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के भरहुत नगर में एक रेस्तरां में इडली-सांभर के साथ छिपकली परोसे जाने का सनसनीखेज़ मामला सामने आया है। इस घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है और खाद्य विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि सालों से जमे कुछ अधिकारियों को हर माह "लिफाफे" पहुंचते हैं, जिसके चलते खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी हो रही है। बतादें कि भरहुत नगर स्थित इडली वाला रेस्तरां में ग्राहक को परोसे गए इडली-सांभर में छिपकली मिलने से लोग हैरान रह गए। इस घटना ने न केवल रेस्तरां की स्वच्छता पर सवाल उठाए हैं, बल्कि खाद्य विभाग की निगरानी और जवाबदेही को भी कठघरे में खड़ा किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी लापरवाही आम जनता की जान के साथ खिलवाड़ है। लोगों ने मांग की है कि रेस्तरां के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और खाद्य विभाग के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

सतना में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के मझगवां थाना क्षेत्र में झरी और झ गरहा गांव के बीच सतना-चित्रकूट स्टेट हाईवे पर गुरुवार रात करीब साढ़े 9 बजे एक दर्दनाक हादसा हुआ। एक अज्ञात वाहन ने बाइक को ज़ोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मझगवां टीआई आदित्य नारायण धुर्वे ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पता चला कि ये बैरिहा, थाना सिंहपुर निवासी राम सनेही मवासी के नाम पर दर्ज है। प्रारंभिक जांच में मृतकों का संबंध बरौंधा क्षेत्र के बि रगडा गांव से होने की जानकारी मिली है। पुलिस ने मृतकों की पहचान के लिए एक टीम को बि रगडा भेजा है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सिंगरौली में नाले में बहे तीन बच्चे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली ज़िले के जैतपुर शमशान घाट के पास शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे एक दुखद हादसा हुआ, जिसमें तीन बच्चे एक नाले में गिर गए। दो बच्चे किसी तरह बच गए, लेकिन 7 साल का अंशु साकेत तेज़ बहाव में बह गया और लापता है। जयंत चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह परिहार ने बताया कि तीनों बच्चे नाले में बढ़े हुए पानी को देखने पहुंचे थे। चेकडैम पर बैठकर पानी में खेलते समय उनका पैर फिसल गया, और तीनों तेज़ बहाव में बह गए। दो बच्चे बाहर निकल आए, लेकिन बृजेंद्र साकेत का बेटा अंशु लापता है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और ज़िला प्रशासन की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। नाले में जलकुंभी की अधिकता के कारण आशंका है कि बच्चा उसमें फंस गया हो।

तरहटी मोहल्ले में पेड़ की छंटाई के दौरान बड़ा हादसा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के तरहटी मोहल्ले में नगर निगम द्वारा की जा रही पेड़ों की छंटाई के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। वर्षा पूर्व तैयारी के तहत की जा रही छंटाई के दौरान एक विशालकाय यूकेलिप्टस का पेड़ अचानक धराशायी हो गया, जिससे आसपास के कई घरों को भारी नुकसान पहुंचा। इस हादसे में एक बिजली का खंभा भी टूट गया, जिससे मोहल्ले की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई साथ ही रास्ते में करंट फैल गया था। स्थानीय निवासी दीपक सोनी के नवनिर्मित मकान को सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ, जो मात्र एक माह पहले बनकर तैयार हुआ था। हादसे में उनका घर तहस-नहस हो गया। ग़नीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पेड़ की छंटाई के दौरान सुरक्षा उपायों की अनदेखी की गई, जिसके कारण ये हादसा हुआ। मोहल्ले वासियों ने प्रशासन से इस घटना की जांच और प्रभावित परिवारों को उचित मुआवज़े की मांग की है।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा धूमधाम से निकली, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बड़े उत्साह और भक्तिभाव के साथ निकाली गई। लक्ष्मण बाग़ संस्थान से शुरू हुई इस भव्य रथ यात्रा के लिए भगवान जगन्नाथ को नवीन वस्त्र और विशेष श्रृंगार से सजाया गया। रथ यात्रा सबसे पहले क़िला परिसर पहुंची, जहां राज परिवार ने परंपरागत रूप से पूजा-अर्चना की। इसके बाद रथ यात्रा उपरहटी, फोर्ट रोड, जय स्तंभ और गायत्री मंदिर मार्ग से होती हुई मानस भवन पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ का भव्य स्वागत किया। रथ यात्रा का रात्रि विश्राम मानस भवन में होगा, और अगले दिन ये पुनः लक्ष्मण बाग़ लौटेगी। शहरवासियों ने इस धार्मिक आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे रीवा में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा।

रिमझिम बारिश के बीच भगवान स्वामी जगन्नाथ की रथयात्रा परंपरानुसार, धूमधाम से शहर में निकाली गई। भागवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए शहर में भक्तों की भीड़ लगी रही। शहरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षाकर रथयात्रा का भव्यस्वागत किया। इस दौरान भगवान जगन्नाथ की आरती उतारी, प्रसाद चढ़ाया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया।

पुजारियों की अगुवाई में लक्ष्मण बाग संस्थान से शाम 4 बजे रथयात्रा शुरू हुई। जो सबसे पहले किला परिसर पहुंची, जहां पूजा-अर्चना के बाद शहर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। रथयात्रा किला से उपरहटी, फोर्ट रोड, स्टेच्यू चौराहा, व्यंकट चौराहा, जय स्तंभ, पुराना बस स्टैण्ड, गायत्री मंदिर होकर मानस भवन पहुंची। जहां मानस मंडल के अध्यक्ष और सदस्यों ने भगवान की अगुवाई की और स्वागत-सत्कार किया गया। रथयात्रा का शहर में जगह-जगह व्यापारियों एवं भक्तों द्वारा पुष्प वर्षाकर स्वागत किया गया। साथ ही सरबत और प्रसाद वितरण हुआ। रथयात्रा में प्रमुख रूप से पं. दीनानाथ शस्त्री, राज वैद्य ओमप्रकाश पंसारी, उपदेश पंसारी, विनी पंसारी, श्रेयस गुप्ता, मानस गुप्ता, योगेंद्र द्विवेदी, भागवत प्रसाद सहित लक्ष्मणबाग संस्थान के पुजारीगण तथा भारी संख्या में नगर के श्रद्धालु लोग शामिल रहे। शहर में भ्रमण के बाद भगवान जगन्नाथ को मानस भवन में ठहराया गया है। जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया और 28 जून को सुबह लक्ष्मणबाग के लिए पुनः प्रस्थान करेंगे। मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पाण्डेय ने बताया कि स्वामी जगन्नाथ मानस भवन में विश्राम कर रहे हैं। यहां भजन-कीर्तन के साथ भक्तों और सह यात्रियों के लिए भंडारा प्रसाद दिया गया। सुबह भगवान की विदाई होगी और फिर वे अपने धाम लक्ष्मणबाग पहुंचेंगे।

शिव बारात आयोजन समिति ने किया भंडारा

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गई। इस पावन अवसर पर शिव बारात आयोजन एवं जन कल्याण समिति ने परंपरागत रूप से वेंकट रोड, रीवा मार्केट में विशाल भंडारा का आयोजन किया। यात्रा में शामिल हजारों भतों और आमजनों ने प्रसाद ग्रहण किया।समिति के अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने बताया कि समिति के सदस्यों के सहयोग से यह पुनीत कार्य संपन्न हुआ। भंडारे में कमलेश अग्रवाल, प्रतीक मिश्रा, राजेंद्र निगम, विनोद गुप्ता, सुमित गुप्ता, रमाकांत पुरवार, लव कुश गुप्ता, रत्नेश प्रधान, अंशुमान गुप्ता, रवि गुप्ता, राजकुमार तिवारी, मनीष गुप्ता (मंटू), प्रतीक पांडे, मुकेश भल्ला, निकी मोदनवाल, रामचंद्र गुप्ता और संजीव गुप्ता सहित समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे और इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।

रिटायर्ड डीएसपी का बीच सड़क पर राहगीरों से किया विवाद व मारपीट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के रेलवे स्टेशन मार्ग पर जेपी गेट के सामने रिटायर्ड डी एसपी का राहगीरों से विवाद और मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। घटना उस समय हुई जब डी एसपी की कार के अचानक ब्रेक लगने से कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं। जानकारी के अनुसार, रिटायर्ड डी एसपी डीपी सिंह, जो पूर्व में डभौरा एसडी ओपी के पद से रिटायर हुए थे, रेलवे स्टेशन मार्ग से गुज़र रहे थे। अचानक उनकी कार का ब्रेक लगने से पीछे और आगे चल रही गाड़ियों की टक्कर हो गई। इस हादसे के बाद राहगीरों और डी एसपी के बीच पहले तीखी नोकझोंक हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस हादसे में तीन लोग बाल-बाल बचे। वायरल वीडियो में रिटायर्ड डी एसपी को राहगीरों से नोकझोंक और हाथापाई करते देखा जा सकता है।

रीवा में पति की हत्या के मामले में पत्नी को आजीवन कारावास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में पति श्यामलाल की हत्या के मामले में ज़िला एवं अपर सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार तिवारी ने आरोपी पत्नी गोल्डी उर्फ गोल्ली कोल को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई। ये घटना 6 मार्च 2023 को सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में हुई थी। पुलिस के अनुसार, श्यामलाल अपनी पत्नी गोल्डी के चरित्र पर संदेह करता था, जिसके चलते दोनों में विवाद हुआ। गोल्डी ने गुस्से में लकड़ी के पटिए और पत्थर से श्यामलाल के सिर और गले पर प्रहार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने खून से सनी साड़ी और हथियारों को निर्माणाधीन मकान की छत पर छुपाया। पुलिस ने साक्ष्य बरामद कर गोल्डी से पूछताछ की, जिसमें उसने जुर्म कुबूल किया। गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने गोल्डी को दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई।

रीवा-प्रयागराज हाईवे पर तेज़ रफ्तार ट्रेलर ने 14 मवेशियों को कुचला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर गढ़ थाना क्षेत्र के अगडाल भदा वर चौराहे के समीप एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें तेज़ रफ्तार ट्रेलर ने सड़क पर बैठे 14 से ज़्यादा मवेशियों को कुचल दिया। इस हादसे में दर्जनभर से अधिक मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो से तीन मवेशी ज़िंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि प्रशासन की लापरवाही और गौशालाओं की कमी के कारण मवेशी सड़कों पर भटकने को मजबूर हैं। कागज़ों में ज़िले में गौशालाओं के निर्माण और मवेशियों की सुरक्षा के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन हक़ीक़त में ऐसी कोई व्यवस्था नज़र नहीं आती। ग्रामीणों ने प्रशासन से मवेशियों की सुरक्षा के लिए ठोस क़दम उठाने और दोषी चालक के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की मांग की है। ये घटना प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोल रही है और मवेशियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठा रही है।

शराबी सेल्समैन की गुंडा गर्दी, ग्रामीणों और अधिकारियों को दी गालियां

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के लक्ष्मणपुर में उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन मन्नू मिश्रा का शराब के नशे में ग्रामीणों और वरिष्ठ अधिकारियों को गाली-गलौज करने का वीडियो वायरल हुआ है। दो दिन पुरानी इस घटना के बाद कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जांच के आदेश दिए हैं। दरअसल लक्ष्मणपुर में ग्रामीण तीन महीने का राशन लेने पहुंचे थे। राशन मांगने पर नशे में धुत मन्नू मिश्रा ने ग्रामीणों से गाली-गलौज की और सरकार व अधिकारियों को भी गालियां दीं। उसने दुकान पर राशन, पानी और बिजली की कमी का हवाला दिया। इस दौरान एक ग्रामीण ने वीडियो बनाया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को जांच के आदेश दिए और कहा कि दोषी पाए जाने पर सेल्समैन के खिलाफ सख़्त कार्रवाई होगी।

किराना दुकान की आड़ में गांजा बेचने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा ज़िले के बैकुंठपुर थाना पुलिस ने किराना दुकान की आड़ में गांजा बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 4 किलोग्राम गांजा और लगभग डेढ़ से दो हज़ार रुपये नकद बरामद किए हैं।

बैकुंठपुर थाना प्रभारी जेपी पटेल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हरदी गांव में एक किराना दुकान पर अवैध नशे का कारोबार चल रहा है। इसके आधार पर पुलिस ने दबिश देकर विनय सिंह और दिलीप सिंह को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने क़ुबूल किया कि वे घर में गांजा छुपाकर रखते थे और पुड़िया बनाकर बाज़ार के आसपास बेचते थे। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने गांजा सप्लाई करने वाले एक व्यक्ति का नाम बताया, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।